संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 40
पृष्ठ 8
रविवार
27 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– इस वजह से बच्चों को.... विचार– बाघों के बहाने वीरान.... खेल– १२ साल बाद घर में ....

गोरखपुर में बनेगा विश्वस्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर- मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर। रोइंग प्रतियोगिता का समापनरू 25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में बालक और बालिका वर्ग में प्रदर्शन के आधार पर ओवरऑल चैंपियन बनने की ट्रॉफी महाराष्ट्र ने जीती। बालक वर्ग की चैंपियनशिप महाराष्ट्र की टीम ने तथा बालिका वर्ग की चैंपियनशिप पंजाब की टीम ने जीती। इन टीमों को ट्रॉफी देकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुरस्कृत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक ऐलान से गोरखपुर में रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि रामगढ़ताल के समीप विश्व स्तरीय रोइंग स्पोर्ट्स सेंटर बनाने के लिए सरकार रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफआई) को वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जगह उपलब्ध कराएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश की सभी बड़ी झीलों में वाटर स्पोर्ट्स की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। शनिवार को रामगढ़ताल में आयोजित 25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप के समापन समारोह में खिलाड़ियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में रोइंग के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। जरूरत है प्रतिभाओं को तराशने की। हमारे रोइंग खिलाड़ी ओलंपिक और अन्य वैश्विक प्रतिस्पर्धाओं में प्रतिभाग कर मेडल जीत सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में कई प्राकृतिक झीलें हैं, वहां भी रोइंग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। सीएम योगी ने एशियन गेम्स और अंतरराष्ट्रीय स्तर की अन्य रोइंग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ियों लक्ष्मण अवार्डी और देवरिया के युवा कल्याण अधिकारी पुनीत बालियान, लक्ष्मण अवॉर्डी कुदरत अली, बुलंदशहर निवासी अरविंद सिंह, सुल्तानपुर निवासी मोहम्मद आजाद, हापुड़ निवासी लोकेश कुमार और संतकबीरनगर निवासी राजेश कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि रोइंग के इन खिलाड़ियों ने प्रदेश का मान देश और दुनिया में बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के साथ अब शानदार करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने खेल नीति बनाकर ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले यूपी के खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं में सीधी नौकरी देने का शासनादेश जारी कर रखा है।

टोक्यो ओलंपिक में पदक विजेता हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी की नौकरी दी गई है। इस बार के ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी राजकुमार पाल को भी नौकरी देने की घोषणा की आज चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं से जोड़ा जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार खेलों को आगे बढ़ाने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया, सांसद खेल स्पर्धा, फिट इंडिया मूवमेंट आदि से देश में खेलों का बेहतरीन माहौल बना है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने, उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इसके तहत युद्ध स्तर पर प्रदेश की सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में खेल मैदान व ओपन जिम, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर प्रदेश के पहले और विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का निर्माण भी तेजी से हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से ओलंपिक एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़, रजत पदक विजेता को 4 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 2 करोड़ रुपये देने की व्यवस्था तय की गई है। ओलंपिक की टीम स्पर्धा में यह राशि क्रमशः 3, 2 व 1 करोड़ रुपये है।

ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। उन्होंने बताया कि एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़, रजत पदक विजेता को 1.5 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 75 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है।

राष्ट्रपति को अपने बीच पाकर गौरावान्वित हुये आदिवासी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गौरवशाली 'पुरखौती मुक्तांगन' में आयोजित सरगुजा प्रखण्ड के लोकार्पण और महतारी वंदन की 9 वीं किस्त की राशि के अंतरण के अवसर पर छत्तीसगढ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदायों के लोग अपनी जीवन– पद्धति, खान– पान, लोक–नृत्य, लोकसंगीत, लोकवाद्यों, कलाओं रीति–रिवाजों, तीज–त्यौहारों, अस्थाओं और अन्य आदिम परंपराओं को सहेज कर रखा है। नर्तक दलों ने अपने नृत्य के माध्यम से बताया कि जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को बढ़ाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। जनजातीय समाज का कल्याण करने सरकार प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ के गौरवशाली 'पुरखौती मुक्तांगन' में भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने बीच पाकर हमारे छत्तीसगढ के आदिवासी समुदाय के लोगों ने अपनी पहचान नृत्य के माध्यम में प्रस्तुत की। जिला

सरगुजा, विकासखण्ड मैनपाट के ग्रमा डांगबुड़ा के नर्तक दल ने सरगुजा संभाग के आदिवासियों के प्रसिद्ध लोकनृत्य करमा का पुरूष पारंपरिक वेशभूषा में धोती, कुर्ता, पगड़ी, मयूरपंख सहित और महिलाएं साड़ी– ब्लाउज के साथ पैर में घुंघरू पहनकर मांदर और झांझ बजाते हुए नृत्य का प्रदर्शन किए। करमा नृत्य लगभग हर खुशी के अवसर पर किया जाता है।

सामूहिक बलात्कार के मामले में आठ लोग गिरफ्तार

रीवा। मध्य प्रदेश से बलात्कार की दो चौंकाने वाली घटनाएं सामने आई हैं जिससे भारत में यौन हिंसा के बढ़ते प्रचलन पर लोगों में आक्रोश और बढ़ गया है। रीवा में 21 अक्टूबर को एक मंदिर के पास पिकनिक मना रहे एक जोड़े पर बेरहमी से हमला किया गया। पति को एक पेड़ से बांध दिया गया, जबकि उसकी पत्नी के साथ भयानक सामूहिक बलात्कार किया गया। हमलावरों ने हमले को रिकॉर्ड किया और धमकी दी कि अगर जोड़े ने पुलिस को अपराध की रिपोर्ट करने की हिम्मत की तो वे वीडियो को ऑनलाइन जारी कर देंगे। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में अपने पति के साथ सैर पर गई एक महिला के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के मामले में पुलिस ने शनिवार को आठ लोगों को गिरफ्तार किया।

शिवराज ने पराली जलाने के मुद्दे पर की उच्च स्तरीय बैठक

क्या प्रदूषण पर लगेगा लगाम?

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पराली जलाने के मुद्दे पर उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक के बाद शिवराज ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण के मुद्दे और उसका समाधान खोजने के लिए आज एक अहम बैठक हुई। उन्होंने कहा कि पिछले साल से इस साल तक पंजाब में पराली जलाने में 35: और हरियाणा में 21: की कमी आई है। राज्यों ने कहा है कि वे लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं और उन्होंने इसके लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए केंद्र सरकार के मंत्रियों और राज्य सरकारों के मंत्रियों के साथ एक संयुक्त बैठक हुई। आज की बैठक में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मैंने आज की बैठक से पहले 2–3 महत्वपूर्ण बिंदु रखे हैं। पहला, आने वाले दिनों में पराली जलाने की घटनाओं पर नजर रखने की

जरूरत है और दूसरा दिवाली पर जलाए जाने वाले पटाखे। राय ने कहा कि पटाखों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार के साथ–साथ एनसीआर की सभी सरकारों को इस संबंध में ठोस कदम उठाने चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में अनुकूल हवाओं के कारण शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ, हालांकि तब भी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 227 दर्ज किया गया जबकि शुक्रवार सुबह यह 281 था।

प्रियंका गांधी ने वायनाड के लोगों के लिए लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के लोगों को ष्वायनाड के मेरे प्यारे बहनों और भाइयोंष शीर्षक से एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के साथ अपने गहरे जुड़ाव और एक जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। अपने भावपूर्ण पत्र में, प्रियंका ने अपने भाई राहुल गांधी के साथ चूरामाला और मुंडक्कई के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के दौरे से अपने अवलोकन साझा किए और त्रासदी के सामने समुदाय द्वारा प्रदर्शित शक्ति और एकता के बारे में बात की। अपने पत्र में प्रियंका गांधी ने भूस्खलन से हुई तबाही और लोगों को हुए भारी नुकसान पर विचार किया। उन्होंने आपदा के बाद एकजुट होने के लिए निवासियों की सराहना की, उनकी एकजुटता, करुणा और लचीलेपन को नोट किया। उन्होंने डॉक्टरों, स्वयंसेवकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों द्वारा एक–दूसरे की मदद करने के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए लिखा कि त्रासदी के अंधेरे के बीच, एक समुदाय के रूप में आपकी

असीम हिम्मत और धैर्य ने मुझे प्रभावित किया। वायनाड के साथ अपने भाई के करीबी रिश्ते का जिक्र करते हुए प्रियंका ने कहा कि जब राहुल गांधी ने उनसे इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए कहा तो उन्हें गर्व और दुख महसूस हुआ। उन्होंने वायनाड के लोगों को भरोसा दिलाया कि वह अपने भाई के साथ स्थापित रिश्ते को और मजबूत बनाने के लिए समर्पित हैं और संसद में उनकी जरूरतों और चिंताओं का प्रतिनिधित्व करना जारी रखने की कसम खाई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह खेती और आदिवासी समुदायों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के साथ–साथ महिलाओं के लिए अवसरों को प्राथमिकता देंगी, और ष्आपके भविष्य को मजबूत करने के लिए नए अवसर पैदा करनेष के लिए गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कांग्रेस ने महाराष्ट्र के लिए 23 उम्मीदवार और घोषित किये

नयी दिल्ली 26 अक्टूबर (वार्ता) कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए आज 23

उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने भुसावल से डॉ राजेश तुकाराम मनवालकर, जलगांव जम्मू से डॉक्टर श्रीमती स्वाति संदीप वाकेकर, अकोट से महेश गंगाने, वर्धा से शेखर प्रमोद बाबू शेंडे, सावनर से श्रीमती अनुजा सुनील केदार, नागपुर दक्षिण से गिरीश कृष्णराव पांडव, कामठी से सुरेश यादवराव भुहेर, भंडारा (सु) से श्रीमती पूजा गणेश थावकर, अर्जुनीमोरगांव (सु) से दिलीप वामन बनसोड, आमगांव (एसटी) से राजकुमार लोटूजी पुरम, रालेगांव से प्रोफेसर वसंत चिंडुजी पूरके, यवतमाल से अनिल बालासाहेब शंकरराव मांगुलकर, अरनी एसटी से जितेंद्र शिवाजीराव मोघे, उमरखेड सु से साहेबराव दत्ताराव कांबले, जलना से कैलाश किशनराव गोरतांत्याल, औरंगाबाद पूर्व से मधुकर कृष्ण राव देशमुख, बसई से विजय गोविंद पाटील, खंडीवली पूर्व से कालू बधेलिया, चारकोप से यशवंतराव जयप्रकाश सिंह सिओम, कोलीवाड़ा से गणेश कुमार यादव, श्रीरामपुर सुरक्षित से हेमंत ओगाले, निलंगा से अभय कुमार सतीश कुमार सालुंके, सिरोल से गणपतराव अप्पाराव पाटिल को चुनाव मैदान में उतारा है।

सूरत, अहमदाबाद और वडोदरा के लिए चलेगी पूजा स्पेशल, रेलवे ने जारी की समय सारिणी

प्रयागराज। दीपावली और छठ पूजा के मौके पर ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने सूरत, वडोदरा और अहमदाबाद के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का एलान किया है। इसकी समय सारिणी उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने जारी कर दी है। अहमदाबाद के लिए रेलवे दो स्पेशल ट्रेन दानापुर और बनारस से चलाने जा रहा है। 09403 अहमदाबाद–बनारस का संचालन 29 अक्तूबर एवं 5, 12 दिसंबर की रात 10:40 बजे

होगा। आणद, छायापुरी, गोधारा, दाहोद, रतलाम, नागदा, भवानी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर, बयाना, आगरा फोर्ट, टूंडला, गोविंदपुरी रुकते हुए ट्रेन अगले दिन रात 1:00–1:10 बजे प्रयागराज एवं सुबह 4:05 बजे बनारस पहुंच जाएगी। वापसी में बनारस से 09404 का संचालन 31 अक्तूबर, 07, 14 नवंबर की सुबह 7:15 बजे होगा। ट्रेन सुबह 10:20–10:30 बजे प्रयागराज जंक्शन एवं अगले दिन शाम 6:00 बजे अहमदाबाद पहुंच जाएगी। इसी तरह 09461 अहमदाबाद–दानापुर 26 अक्तूबर, 02, 09, 16 नवंबर की सुबह 8:25 बजे चलकर रतलाम, उज्जैन, शिवपुरी, ग्वालियर, इटावा के रास्ते अगले दिन सुबह 10:45–10:50 बजे प्रयागराज जंक्शन एवं शाम 4:50 बजे दानापुर पहुंच जाएगी। वापसी में दानापुर से 09462 की रवानगी 27 अक्तूबर, 03, 10, 17 नवंबर की रात 9:55 बजे होगी। ट्रेन सुबह 5रू30–5.35 बजे प्रयागराज जंक्शन एवं अगले दिन सुबह 7:10 बजे अहमदाबाद पहुंच जाएगी। सूरत के उधना से गया के लिए स्पेशल ट्रेन संख्या 09011 शुक्रवार 25 अक्तूबर की रात 10 बजे चलकर सोमवार रात 11:40–11:45 बजे प्रयागराज छिवकी एवं सुबह सात बजे गया पहुंचेगी। गया से 09012 रविवार 27 अक्तूबर की सुबह 10 बजे चलकर शाम 5:30–5:35 बजे प्रयागराज छिवकी एवं अगले दिन वापसी में वडोदरा दोपहर दो बजे पहुंच जाएगी। वापसी में यह ट्रेन उधना नहीं जाएगी। वहीं, वडोदरा से गया के लिए 09115 मंगलवार 29 अक्तूबर को चलेगी, जो अगले दिन रात 11:40–11:45 बजे प्रयागराज छिवकी और सुबह सात बजे गया पहुंचेगी। गया से 09116 बुधवार 30 अक्तूबर की सुबह 10 बजे चलकर शाम 5:30–5:35 बजे प्रयागराज छिवकी एवं अगले दिन दोपहर दो बजे वडोदरा पहुंच जाएगी। इसके अलावा मुजफ्फरपुर से लिंगमपल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन चलेगी। इसका संचालन प्रयागराज छिवकी के रास्ते होगा।

मेला क्षेत्र में कलर कोडिंग से ई-रिक्शा का संचालन, हर जोन में होंगे अलग रंग

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 को भव्य और दिव्य बनाने के लिए शुक्रवार को स्टेक होल्डर्स की बैठक आयोजित की गई, जिसमें अधिकारियों की ओर से तैयारियों का खाका प्रदर्शित किया गया। साथ ही सभी से सहयोग की अपील की गई। तय किया गया है कि मेला क्षेत्र में ई–रिक्शा का संचालन कलर कोडिंग से किया जाएगा। 10 जोनों में विभाजित किए गए मेला क्षेत्र में हर जोन के लिए एक कलर निर्धारित होगा। इस दौरान अधिकारियों ने संगम नोज पर अनावश्यक भीड़ से बचने के लिए परिचितों और शुभचिंतकों को सुविधानुसार अलग–अलग घाटों पर स्नान कराने की अपील की है। मेलाधिकारी कार्यालय परिसर अंतर्गत ट्रिपल सी सभागार में आयोजित स्टेक होल्डर्स की बैठक में सर्वप्रथम मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने महाकुंभ के दृष्टिगत जनपद में कराये जा रहे स्थायी कार्यों, कुंभ मेला क्षेत्र के प्रस्तावित ले–आउट एवं अस्थायी नगर को बसाने हेतु की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने सभी स्टेक होल्डर्स से श्रद्धालुओं एवं परिजनों को जिस रास्ते से वो आ रहे हैं, उस जोन में पड़ने वाले घाट पर ही स्नान कराने की अपील की, ताकि संगम नोज पर अनावश्यक भीड़ से बचा जा सके। उन्होंने बताया की झूंसी की तरफ ऐरावत घाट एवं नागवासुकी घाट, जो कि दोनों ही गंगा के तट पर हैं एवं संगम क्षेत्र में आते हैं, वहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सुगम स्नान की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने स्नान पर्व पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं से उनके रास्ते में पड़ने वाले पार्किंग में ही वाहन पार्क करने की अपील की, जिससे अनावश्यक गाड़ियों को शहर में आने से रोका जा सके। उन्होंने बताया कि पिछले महाकुंभ में 3200 हेक्टेयर की जगह इस बार 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में मेला लगेगा। इसके लिए मेला क्षेत्र को 25 सेक्टरों में विभाजित किया जाएगा तथा 30 पान्टून ब्रिज बनाए जाएंगे। बैठक में मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस आयुक्त तरुण गाबा, पुलिस महानिरीक्षक प्रेम गौतम सहित अन्य अधिकारी और जनपद के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। स्टेक होल्डर्स की बैठक में मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने कहा कि जनपद और मेला क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री बनाने के लिए स्कूलों में प्लास्टिक फ्री अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत चार लाख से अधिक बच्चों को प्लास्टिक मुक्त जनपद बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने सभी से सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करने में सहयोग की अपील की। वहीं नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बताया कि अभियान के तहत 204 किलो से अधिक प्लास्टिक अब तक सीज की जा चुकी है। इसके अलावा नगर निगम की ओर से वेडिंग जोन्स में मिट्टी के बर्तन, पत्तल एवं जूट बैग्स विकल्प के रूप में उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

वाराणसी से आए अधिवक्ता होटल के कमरे में मृत मिले, अंदर से बंद था दरवाजा

प्रयागराज। सिविल लाइंस में कूपर रोड पर स्थित होटल में वाराणसी से आए अधिवक्ता विजय कुमार मिश्र (40) शुक्रवार को संदिग्ध हाल में मृत पड़े मिले। फोन न उठाने पर पत्नी के जानकारी देने पर कर्मचारी पहुंचे तो दरवाजा भीतर से बंद मिला। शाम को परिजनों के आने पर दरवाजा तोड़ा गया तो उनका शव फर्श पर पड़ा मिला। विजय पुत्र शिवसहाय मिश्र वाराणसी के गंगोत्री नगर, सिद्धिदात्री कॉलोनी शिवपुर के रहने वाले थे। बृहस्पतिवार शाम 4रू50 मिनट पर सिविल लाइंस में कूपर रोड स्थित होटल रामकृष्ण में पहुंचे। यहां बताया कि वह हाईकोर्ट के काम से आए हैं और रात में ठहरेंगे। इसके बाद वह कमरे में चले गए। होटल कर्मचारियों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह 10 बजे के करीब उनकी पत्नी का फोन आया। उन्होंने बताया कि उनके पति फोन नहीं रिसीव कर रहे हैं। इस पर कर्मचारी पहुंचे तो दरवाजा भीतर से बंद मिला। काफी आवाज देने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला तो सिविल लाइंस चौकी में सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। परिजनों को बताया गया तो उन्होंने कहा कि उनके आने तक दरवाजा न खोला जाए। शाम चार बजे के करीब परिजन पहुंचे तो वीडियो रिकॉर्डिंग के बीच दरवाजा तोड़ा गया। इस दौरान अधिवक्ता फर्श पर मृत पड़े मिले। जांच पड़ताल के बाद शव मर्चरी भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में परिजनों ने बताया कि रात में फोन पर बात होने पर अधिवक्ता ने होटल का नाम व पता बताया था। सुबह कई बार फोन करने के बावजूद कॉल न रिसीव होने पर पत्नी ने इंटरनेट से नंबर खोजकर होटल में फोन किया। एसीपी सिविल लाइंस श्यामजीत प्रमिला सिंह ने बताया कि मौत का कारण पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल सकेगा। प्रयास किया जा रहा है

तीन हॉस्टलों के अंत: वासियों के बीच जमकर मारपीट, कई घायल

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रावासों के अंत: वासियों के बीच मारपीट में कई छात्र घायल हो गए। हालैंड हॉल तथा पीसीबी के अंतरूवासियों के हमले में केपीयूसी के तीन छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। पत्थरबाजी में कई अन्य को भी चोट लगी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने चार छात्रों को निलंबित करने के साथ परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। विश्वविद्यालय का सीनेट परिसर तथा आसपास का इलाका शुक्रवार को काफी देर के लिए गुरिल्ला युद्ध का मैदान बन गया था। 40 से 45 की संख्या में आरोपी लाठी डंडा लेकर केपीयूसी के छात्रों पर हमले करते रहे। इस दौरान उन्होंने पत्थरबाजी भी की। दहशत वाला माहौल दिन भर बना रहा। आरोप है कि हालैंड हॉल के अंतरूवासियों ने हिंदी विभाग के सामने केपीयूसी के छात्रों की पिटाई की तथा गाली गलौज की। इसके बाद केपीयूसी में भी छात्र एकत्रित होने लगे। इसी दौरान हालैंड हॉल के अंतरूवासी लाठी डंडा लेकर केपीयूसी गेट पर पहुंच गए। इसमें पीसीबी छात्रावास के कई छात्र भी शामिल रहे। उन्होंने केपीयूसी गेट पर मारपीट तथा पत्थरबाजी की। इसमें कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

20 महीने पहले सनसनी बना गुड्डू मुस्लिम सोशल मीडिया पर छाया, दिन भर करता रहा ट्रेंड

प्रयागराज। करीब 20 महीने पहले उमेश पाल हत्याकांड में दिनदहाड़े ताबड़तोड़ बम बरसाने वाला गुड्डू मुस्लिम एक बार फिर चर्चा में है। शुक्रवार दोपहर तक पांच लाख का यह इनामी 'एक्स' पर ट्रेंड करता रहा। रुळनककनउनेसपउ नाम के इस ट्रेंड पर तमाम तरह की भ्रामक सूचनाएं भी चलती रहीं। इनमें से एक ओडिशा से उसकी गिरफ्तारी की भी रही। गुड्डू मुस्लिम उमेश पाल हत्याकांड के बाद से ही फरार है। उस पर पांच लाख का इनाम घोषित है। एसटीएफ भी उसकी तलाश में लगी, लेकिन वह अब तक पकड़ा नहीं जा सका। मुख्य शूटर असद की एनकाउंटर की

मौत के बाद उसकी भी गिरफ्तारी समेत तमाम खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, लेकिन सभी झूठी निकलीं।अचानक शुक्रवार को उसका नाम फिर चर्चा में आ गया। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर अचानक उसका नाम ट्रेंड करने लगा। दोपहर 12 बजे तक इस पर 11 हजार पोस्ट हो चुके थे। इसमें तमाम तरह की खबरें भी चलती रहीं। उसकी गिरफ्तारी से लेकर शाइस्ता परवीन व आयशा नूरी तक की गिरफ्तारी की बात थी। हालांकि, यह सभी खबरें महज अफवाह निकलीं। पुलिस अफसरों ने ऐसी किसी भी कार्रवाई से इन्कार किया। नाम न छापने की शर्त पर एक अफसर ने बताया कि सोशल मीडिया पर आई गिरफ्तारी संबंधी खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उमेश पाल हत्याकांड के बाद गुड्डू मुस्लिम का नाम खासा चर्चा में रहा था। दरअसल, घटना के सीसीटीवी फुटेज में वह झोले में बम लेकर मौके पर दिखाई दिया था। उसने ही जान बचाकर घर के भीतर भागते वक्त उमेश पाल व उनके गनर राघवेंद्र सिंह पर बम से हमला किया था। यही नहीं, दहशत फैलाने के लिए घर के बाहर जीटी रोड पर भी बम पटके थे।

आरोपी को सबक के तौर पर कारावास का स्वाद चखाने के लिए जमानत खारिज करना ठीक नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी आरोपी की जमानत याचिका सबक के तौर पर कारावास का स्वाद चखाने के लिए खारिज नहीं करनी चाहिए। जमानत आवेदनों पर विचार करते समय आरोपों व सजा की गंभीरता के अलावा इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि क्या आरोपी की ओर से फरार होने या दावों के साथ छेड़छाड़ करने या उन्हें धमकाने की संभावना है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की अदालत ने यह टिप्पणी कर धोखाधड़ी मामले में जौनपुर की महिला की जमानत याचिका स्वीकार कर ली। सराय ख्वाजा थाने में माया तिवारी पर धोखाधड़ी, आईटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोप है कि आवेदक ने स्वयं को पीएमओ में उच्च अधिकारी बताकर टेंडर दिलाने के नाम पर 10 लाख की ठगी की है। हाईकोर्ट में जमानत के लिए आवेदक ने याचिका दाखिल की है। याची के वकील ने दलील दी कि संबंधित राशि का बड़ा हिस्सा 8,70,000 रुपये पहले ही शिकायतकर्ता के खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है। याची स्वयं धोखे का शिकार हुई है। सह–आरोपी संतोष सेमवाल, जो जांच में मुख्य आरोपी पाया गया है। उसने याची को धोखा दिया है। आवेदक एक महिला है और वह 12 सितंबर 2023 से जेल में है। जमानत मिलती है तो उसका दुरुपयोग नहीं करेगी। अपर शासकीय अधिवक्ता ने जमानत अर्जी का विरोध किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के लिए जमानत अर्जी मंजूर कर ली। न्यायालय ने कहा–ट्रायल कोर्ट और उच्च न्यायालय कानून के एक स्थापित सिद्धांत को भूल गए हैं कि सजा के रूप में जमानत को रोका नहीं जाना चाहिए। ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रायल कोर्ट और उच्च न्यायालय जमानत देने के मामलों में हमेशा सुरक्षित रहने का प्रयास करते हैं। ऐसे में इस न्यायालय में बड़ी संख्या में जमानत याचिकाएं बढ़ गई हैं। ऐसे में लंबित मामले बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है कि ट्रायल अदालतों और उच्च न्यायालयों को इस सिद्धांत को पहचानना चाहिए कि जमानत नियम और जेल अपवाद है।

प्रयागराज में खड़ी कार, आगरा में हुआ चालान, शिकायत लेकर चौकी पहुंचे पीड़त की नहीं हुई सुनवाई

प्रयागराज। तेलियरगंज में पतंजलि स्कूल के पास खड़ी बैगन–आर कार का आगरा में चालान कर दिया गया। मोबाइल पर पांच हजार रुपये जुर्माने का संदेश देखकर कार स्वामी के होश उड़ गए। परेशान होकर वह पुलिस लाइन और बेली चौकी पहुंचे पर सुनवाई नहीं हुई। पुलिस अधिकारियों ने मामले में हाथ खड़े करते हुए उन्हें आगरा जाने की नसीहत दे डाली। पुलिस की ओर से लागू की गई ऑनलाइन चालान की व्यवस्था कई बार वाहन चालकों के लिए सिरदर्द साबित हो रही है। गलत चालान से परेशान वाहन चालक सुधार के लिए स्थानीय अधिकारियों और कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हो रहे हैं। जिम्मेदारों की गलतियों का खामियाजा आम वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला शुक्रवार को झूंसी निवासी अनिक कुमार यादव के साथ हुआ, जब आगरा से उन्हें पांच हजार रुपये चालान का मोबाइल पर संदेश मिला। उन्होंने बताया कि वो कभी आगरा गए ही नहीं और न ही गाड़ी वहां गई है। इससे बावजूद चालान कर दिया गया है। परेशान होकर वो पास स्थित बेली पुलिस चौकी और फिर पुलिस लाइन गए, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। पुलिस वालों ने न सिर्फ उन्हें आगरा जाकर पता करने की सलाह दी, बल्कि कहा कि संभवतरू इस नंबर की दूसरी गाड़ी वहां चल रही होगी। इससे पीड़ित की मुश्किलें कम होने की जगह बढ़ गई। इसके बाद जब उन्होंने भेजे गए चालान से वाहन की फोटो निकलवाई तो वह बोलेरो पिकअप गाड़ी की नजर आई, जिसके वाहन नंबर में भी एक अंक का अंतर था। इसके बाद उनके जान में जान आई।

आश्रम पद्धति विद्यालयों के घोटाले का खुलेगा राज, एसआईटी को सौंपे 2200 पन्नों के अभिलेख

प्रयागराज। समाज कल्याण विभाग की ओर संचालित आश्रम पद्धति बालिका विद्यालयों में

अनियमितता की जांच की कार्रवाई फिर से तेज हो गई है। लखनऊ विशेष जांच दल (एसआईटी) को जिला समाज कल्याण ने 2200 पन्नों के अभिलेख सौंप दिए हैं। इसी के आधार पर एसआईटी ने आगे की जांच शुरू कर दी है। कोरांव, कौड़िहार, सुरवल सहनी और खाई करछना के चार राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में करोड़ों के गबन मामले में एसआईटी ने तीन जून 2024 को तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह, तत्कालीन प्रभारी प्रधानाचार्य रेनू सिंह, छोटेलाल, जीत लाल पटेल, छात्रावास अधीक्षक अमित शुक्ला, विद्यालयों में कार्यरत पटल सहायकों के खिलाफ धोखाधड़ी और साजिश रचने के तहत मुकदमा दर्ज किया था। जांच को आगे बढ़ाने के लिए एसआईटी ने अगस्त में जिला समाज कल्याण विभाग से चार साल (2018–2022) तक विद्यालयों में होने वाले कार्य, अधिकारियों की तैनाती, कार्मिकों का विवरण, छात्रों की सूची, विद्यालयों की पत्रावली आदि जानकारियां मांगी गई थीं। एसआईटी की ओर से मांगी गईं चारों विद्यालयों की जानकारियों को एकत्र करने में जिला विभाग को डेढ़ माह का वक्त लग गया। अभिलेखों में कोरांव, कौड़िहार, सुरवल सहनी और खाई करछना के चार राजकीय आश्रम विद्यालयों में तैनात कार्मिकों का विवरण, छात्रों की सूची, प्रधानाचार्य व अध्यापकों की तैनाती, विद्यालयों के सभी कार्य आदि सभी जानकारियां दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार हर एक विद्यालयों के करीब 500 से अधिक पन्नों के अभिलेख तैयार किए गए थे। राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को भोजन, आवास, छात्रावास, पुस्तकें, स्टेशनरी व अन्य सुविधाएं समाज कल्याण विभाग की ओर से निशुल्क मुहैया कराई जाती हैं। लेकिन, एसआईटी की जांच में सामने आया था कि वर्ष 2018–19 से 2021–22 के बीच सभी राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में ग्रामीण विकास सेवा संस्थान नामक संस्था को भोजन व्यवस्था का काम दिया गया था। आरोप है कि तत्कालीन समाज कल्याण अधिकारी ने विद्यालयों के प्रधानाचार्य और अधीक्षकों से मिलकर 1.38 करोड़ का गबन किया है।

सपा ब्लॉक प्रमुख व गोतस्कर गिरोह सरगना पर फिर गैंगस्टर, मुजफ्फर पर सोरांव पुलिस ने की कार्रवाई

प्रयागराज। सपा ब्लॉक प्रमुख व गोतस्कर गिरोह सरगना मो. मुजफ्फर पर फिर गैंगस्टर की कार्रवाई हुई है। सोरांव थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की है। इस मामले में उसके भाई असलम व एक अन्य आदिल निवासी मोतीकुंज लोहामंडी आगरा को भी गैंगस्टर में आरोपी बनाया गया है। अब पुलिस इस मामले में भी चार्जशीट के बाद उसकी अपराध से अर्जित संपत्ति जब्त करेगी। नवाबगंज के चफरी निवासी मुजफ्फर कौड़िहार से ब्लॉक प्रमुख है। सोरांव पुलिस ने बताया है कि तीन लोगों के इस गैंग का लीडर मुजफ्फर है। प्रतिबंधित पशु की हत्या कर मांस बेचने का काम यह गिरोह करता है। इसका परिवहन बंगाल समेत अन्य प्रांतों में करता है। 2022 में सोरांव थाना क्षेत्र में ही इस गैंग के खिलाफ गोवध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसमें चार्जशीट भी लग चुकी है। मुजफ्फर पर गैंगस्टर की कार्रवाई पांच बार पहले भी हो चुकी है। 2021 में पूरामुफ्ती थाना पुलिस ने उसके साथ ही कुल 13 लोगों पर गैंगस्टर लगाया था। 2022 में फतेहपुर की खागा पुलिस ने उसे गैंगस्टर में आरोपी बनाया। इससे पहले 2014 में भदोही के औराई और 2017 में नवाबगंज पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की। जबकि, पिछले साल कोखराज पुलिस ने मुजफ्फर व उसके गुर्गों के खिलाफ गैंगस्टर लगाया था। मुजफ्फर पूरामुफ्ती थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस के मुताबिक वह अंतरराज्यीय गोतस्कर गिरोह का सरगना है। उस पर प्रयागराज के अलावा वाराणसी, कौशाम्बी, फतेहपुर, भदोही व चंदौली में 30 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से ज्यादातर मामले गोवध अधिनियम के हैं। उसने जेल में रहते हुए ब्लॉक प्रमुख का चुनाव जीता था। पिछले साल उसके खिलाफ पुरामुफ्ती थाने में एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने को मामला दर्ज हुआ था। इसमें उसके साथ ही उसके छह भाई भी नामजद कराए गए थे।

जूनियर कक्षाओं में बदलेगा षि विज्ञान का पाठ्यक्रम, नए सत्र लागू कर दी जाएंगी किताबें

प्रयागराज । जूनियर कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले कृषि विज्ञान विषय का पाठ्यक्रम बदला जाएगा। पाठ्यक्रम में बदलाव के प्रथम चरण की कार्यशाला शुक्रवार को राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान में हो गई है। अगले चरण की कार्यशाला नवंबर में होगी। कुल चार चरणों में कार्यशाला के बाद पाठ्यक्रम तैयार कर दिया जाएगा। नए सत्र से बदला हुआ पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत सभी विषयों में बदलाव किया जा रहा है। इसी क्रम में 6वीं से आठवीं तक की कक्षाओं में कृषि विज्ञान के पाठ्यक्रम में बदलाव शुरू हो गया है। बदलाव के लिए राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान में 21 अक्तूबर से कार्यशाला चल रही है। इसके लिए महाविद्यालयों के प्रोफेसर, इंटर कालेजों के प्रवक्ता और अन्य कृषि व उद्यान विशेषज्ञों को बुलाया गया है। प्रवक्ता सुदामा प्रसाद ने बताया कि कृषि के पाठ्यक्रम में बदलाव की जरूरत थी। अब कृषि में आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। पूर्व की किताबों में पारंपरिक खेती का विस्तृत वर्णन था। नई किताब अब रोजगारपरक बनाई जा रही है। इसमें खेती में तकनीक का प्रयोग, जैविक खेती, व्यावसायिक खेती आदि के पाठ्यक्रम में काफी बदलाव किया जा रहा है। अब बच्चों को व्यवसाय परक शिक्षा देनी है। उसी के अनुसार पाठ्यक्रम बनाया जा रहा है। यह बदलाव बेसिक शिक्षा परिषद की पुरानी किताबों में किया जाएगा। इसके लिए चार चरणों में कार्यशाला होगी। पहले चरण की कार्यशाला 25 अक्तूबर को खत्म हो गई है। जनवरी तक सभी कार्यशाला पूरी करके मार्च तक किताब तैयार कर देनी है। नए सत्र से यह किताब बच्चों के हाथ में पहुंच जाएगी। यूपी बोर्ड के बाद बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में भी एनसीईआरटी की किताबों को चरणबद्ध तरीके लागू किया जा रहा है। इस बार एनसीईआरटी ने कक्षा छह की किताबों में बदलाव किया है। यह किताब अगले वर्ष बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में लागू हो जाएगी। उससे पहले गणित और विज्ञान की किताबों को यूपी के परिवेश में बदला जा रहा है। उसकी शब्दावली में बदलाव किया जा रहा है। इस बदलाव के लिए राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान में कार्यशाला हुई है।

निरस्त होनी थी नियुक्ति और पदोन्नत होकर निदेशालय पहुंचे 40 कर्मचारी, मिलीभगत का खेल

प्रयागराज। प्रदेशभर की आईटीआई और सेवायोजन कार्यालयों में हुई अनियमित नियुक्ति में से पदोन्नत होकर 40 कर्मचारी प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय में तैनात हो गए हैं। 14 वर्ष पहले इन सभी की नियुक्ति निरस्त करने के लिए निदेशक ने संस्तुति कर दी गई थी। निदेशालय पहुंचे कर्मचारियों ने कार्यवाही की फाइल दबा दी है। इसलिए अब तक किसी पर कार्यवाही नहीं हुई है। वर्ष 2003 से 2006 तक निदेशक डा. गुरुदीप सिंह, अपर निदेशक दिलीप कुमार और आईटीआई के 20 प्रधानाचार्यों व क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारियों ने समूह ग और घ के पदों पर 438 लोगों की अनियमित तरीके से नियुक्ति की थी। 2010 में निदेशक हरिशंकर पांडेय ने जांच करवाई और इन नियुक्तियों को निरस्त करने की संस्तुति की थी। साथ ही अफसरों पर कार्यवाही का निर्देश दिया था। उसके बावजूद विभागीय अफसरों की मिलीभगत से किसी पर कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा इन सभी को पदोन्नति दे दी गई। पदोन्नति के बाद कइयों का स्थानांतरण कर दिया गया। 40 लोगों को निदेशालय में स्थानांतरण कर दिया गया। कार्यवाही निदेशालय से होनी थी, लेकिन अनियमित नियुक्ति वाले कर्मचारियों की वहां पर तैनाती के बाद से प्रक्रिया रुक गई। इस भर्ती के जरिए प्रदेश के लगभग सभी जिलों में कर्मचारी तैनात हैं और उनके वेतन पर हर महीने करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं। 2005 में आईटीआई मथुरा में चौकीदार के पद पर वीरेंद्र सोनकर भर्ती हुए। अफसरों की इन पर ऐसी मेहरबानी की 2011 में उन्हें प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय लखनऊ में स्थानांतरित किया और प्रधान सहायक बना दिया। ऐसे ही 2005 में ही चौकीदार पद पर कानपुर में सुरेश कुमार सिंह, बरेली में अमित यादव, लखीमपुर खीरी में ब्रजेश कुमार चौधारी, मथुरा में इमरान अहमद, सत्येंद्र कुमार की नियुक्ति हुई। कुछ वर्षों बाद उन्हें प्रधाक सहायक बनाकर निदेशालय में तैनात कर दिया गया। इसके अलावा उसी दौरान कनिष्ठ सहायक पद पर फतेहगढ़ प्रदीप कुमार सिंह, कानपुर में मृत्युंजय कुमार त्रिपाठी, कुमुद लता सिंह, नीना सिंह, मथुरा में सलिल दीक्षित, मेरठ संदीप बाजपेई, मनीष चंद्र, आगरा में आदित्य शेखर अवस्थी आदि की नियुक्ति हुई और उनको प्रधान सहायक बनाकर निदेशालय में तैनात कर दिया गया है। इनकी नियुक्ति और पदोन्नति के खिलाफ भी इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है।

बाराही धाम पहुँचे लोकपाल समाज शेखर

नदी व घाट की स्वच्छता जाग्रत समाज व पंचायत का परिचायक – लोकपाल समाज शेखर

सई नदी के घाट की स्वच्छता हेतु ग्राम पंचायत व क्षेत्रीय समाज की भूमिका किया तय

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने शिवगढ़ ब्लाक के परशुरामपुर ग्राम पंचायत स्थित माँ बाराही धाम पहुँच कर ६ ाम का दर्शन पूजन किया। ६ ाम के सामने स्थित सई नदी के घाट पर स्थित गंदगी को देखकर नाराजगी जताते हुए ग्राम पंचायत व स्थानीय समाज को नियमित भूमिका निभाने की हिदायत दी। क्षेत्रीय युवा सामाजिक कार्यकर्ता सुंदरम तिवारी द्वारा गत 22 अक्टूबर को जन सुनवाई में की शिकायत व सुझाव के क्रम में लोकपाल मनरेगा ने बाराही धाम का औचक भ्रमण पंचायत प्रतिनिधियो व क्षेत्रीय कार्यकर्ताओ के साथ किया। लोकपाल समाज शेखर ने कहा बाराही धाम के सामने स्थित मुख्य घाट पर जमी गंदगी की वजह से नदी घाट छोड़ कर बह रही है जिससे घाट की महत्ता भी कम हो रही है साथ ही धाम की भव्यता पर भी प्रतिकूल असर हो रहा है। ६ ाम स्थित नदी व घाट की स्वच्छता जगे हुए समाज व पंचायत का परिचायक है। उन्होंने जहाँ उपस्थित ग्राम रोजगार सेवक जय प्रकाश मिश्र को मनरेगा द्वारा योजना बनाकर घाट की गंदगी को हटाने का निर्देश दिया। साथ ही नियमित रूप से एक सफाई कर्मी घाट व धाम पर लगाने का सुझाव बीडीओ शिवगढ़ व डी पी आर ओ को देने का निर्णय लिया। वहीं सुंदरम तिवारी सहित उपस्थित कार्यकर्ताओ को जन सहयोग व लोक भागीदारी से नदी, घाट व धाम के विकास में स्थानीय भूमिका निभाने का सुझाव दिया। प्रतापगढ़ । लोकपाल समाज शेखर ने मुख्य मन्दिर क्षेत्र के आवासीय क्षेत्र से बह कर नदी में मिलने वाले नाले का अवलोकन किया। उन्होंने नाले की नियमित स्वच्छता हेतु ग्राम पंचायत को निर्देशित किया। साथ ही धाम स्थित अति प्राचीन पीपल के वृक्ष के संरक्षण व सौंदर्यीकरण हेतु ग्राम पंचायत को सुझाव दिया। सुंदरम तिवारी सहित मन्दिर व क्षेत्रीय समाज के कार्यकर्ताओ ने लोकपाल को आश्वस्त किया की धाम पर नियमित आरती के अलावा अब घाट पर प्रत्येक सोमवार को आदि गंगा माँ सई की भव्य आरती शुरू होगी। समय समय पर सफाई अभियान चलाया जायेगा और स्थानीय समाज , पंचायत व सरकार के सहयोग से धाम का समग्र विकास किया जायेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से योगी सेना के जिलाध्यक्ष दुर्गेश तिवारी, हिमांशु सिंह व कुंदन त्रिपाठी, शैलेश गिरी व बलराम गिरी आदि शामिल रहे।

भागवत कथा श्रवण से मिलता है मोक्ष– पारसमणि महराज

लालगंज, प्रतापगढ़। विकासखण्ड सांगीपुर के पूरे मना रेहुआ लालगंज में चल रही श्रीमदभागवत कथा में श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही है। कथाव्यास अयोध्या से पधारे पारसमणि महराज ने कहा कि कलियुग में भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य मोक्षगामी होता है। कथा प्रसंग में आचार्य ने कहा कि धरती पर धर्म के रक्षार्थ परमात्मा का अवतार होता है। उन्होनें कहा कि श्रीमद्भागवत कथा लोगों को जीवन जीने की सीख देती है। भागवत कथा के दौरान बीच बीच में राधाकृष्ण संकीर्तन में श्रद्धालु रमे भी दिखे। मुख्य आयोजक दिनेश सिंह बघेल ने व्यासपीठ का पूजन किया। इस मौके पर दीपक सिंह, गोपाल सिंह, महेन्द्र, शेर बहादुर सिंह इंसान, शैलेन्द्र सिंह, मनोज, जनार्दन, सागर, प्रभात, अनुभव आदि मौजूद रहे।

समाधान दिवस में एसडीएम ने सुनीं शिकायतें, निस्तारण के दिये निर्देश

लालगंज, प्रतापगढ़। थाना समाधान दिवस में लालगंज कोतवाली में उप जिलाधिकारी ने जनशिकायतों की सुनवाई की। समाधान दिवस में बारह शिकायतें आयीं। इनमें से अफसरों ने दो का निस्तारण कराया। उप जिलाधिकारी नैंनसी सिंह ने शिकायतों की सुनवाई करते हुए मातहतों को मौके पर निस्तारण कराए जाने के कड़े निर्देश दिये। समाधान दिवस का संयोजन लंबित शिकायतों पर एसडीएम ने पुलिस एवं राजस्व टीम का गठन कराया। वहीं सांगीपुर में प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार ने शिकायतों की सुनवाई की। यहां पन्द्रह शिकायतों में दो का निस्तारण हुआ। संचालन थानाध्यक्ष मनीष तिवारी ने किया। इधर लीलापुर थाने में उन्नीस शिकायतों में तीन का निस्तारण कराया गया। यहां भी एसडीएम नैंनसी सिंह ने दोपहर बाद शिकायतों की सुनवाई की। संयोजन प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह ने किया।

गणेश शंकर विद्यार्थी का त्याग और समर्पण सभी के लिए प्रेरणादायी : सीएम योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज (शनिवार) महान स्वाधीनता सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्र के लिए उनका त्याग और समर्पण सभी के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत है। बता दें कि कलम से क्रांति लाने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी की आज जयंती है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स के अपने आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, "अपनी सजग पत्रकारिता और सामाजिक सक्रियता से भारतीय स्वाधीनता संग्राम को नई दिशा देने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!" योगी ने कहा कि राष्ट्र के लिए उनका त्याग और समर्पण सभी के लिए अत्यधिक प्रेरणादायी है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारतीय किसानों की आवाज को बुलंद करने वाले राष्ट्र के रत्न, निडर एवं निष्पक्ष पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन। गणेश शंकर विद्यार्थी हिंदी भाषा के समाचार पत्र 'प्रताप के संस्थापक–संपादक के रूप में जाने जाते हैं। उनका जन्म 26 अक्टूबर 1890 को प्रयागराज (इलाहाबाद) के एक मोहल्ले में अपने ननिहाल में हुआ था। वह फतेहपुर जिले के हथगांव के निवासी थे। 25 मार्च 1931 को गणेश शंकर विद्यार्थी कराची के कांग्रेस के सम्मेलन में जाने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन तभी उन्हें खबर मिली की शहर में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए हैं और लोगों को जान बचाने के लिए फौरन ही घर से निकल पड़े। भीड़ के सामने पहुंच कर पीड़ितों को बचाने के साथ दंगाइयों को भी समझाने की कोशिश रहे थे। उन्होंने हिंदू मुस्लिम दोनों संप्रदाय के लोगों की जान बचाई। इस प्रयास में दंगाइयों ने उन्हें निर्ममता से मार दिया। बाद में कानपुर में ही लाशों के ढेर के उनका शव मिला। गांधी जी ने उनकी मौत पर कहा था कि काश ऐसी मौत उन्हें नसीब होती।

छठ महापर्व की तैयारी को लेकर गोमती तट पर सफाई, भोजपुरी समाज ने किया श्रमदान

लखनऊ,(एजेंसी)। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय के नेतृत्व में छठ पूजा घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। समाज के पदाधिकारियों और नगर निगम के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से छठ घाट की सफाई की। इस मौके पर वेदप्रकाश राय, सुरेश कुशवाहा, विजय यादव, अवधेश, श्रीराम शर्मा और नगर निगम के सहायक अभियंता किशोरी लाल ने श्रमदान किया। प्रभुनाथ राय ने बताया कि लखनऊ के सभी घाटों पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस बार अखिल भारतीय भोजपुरी समाज का 40वां आयोजन है। इसमें छठ महापर्व के आयोजक और जिला प्रशासन का भी सहयोग लिया जाएगा। इस वर्ष छठ महापर्व का आयोजन पांच नवंबर 2024 से शुरू होगा। छठ महापर्व की शुरुआत पांच नवंबर खाय,नहाय, छह नवंबर खरना, सात नवंबर मुख्य पूजा एवं संध्या अर्घ्य और आठ नवंबर को उदयमान सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का समापन होगा। प्रभुनाथ राय ने बताया कि कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथियों में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, सूर्य प्रताप शाही कृषि मंत्री, स्वतंत्र देव सिंह जल शक्ति मंत्री, जयवीर सिंह पर्यटन मंत्री एके शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल और भाजपा के कई अन्य नेता शामिल होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम छठ महापर्व के अवसर पर 150 लोक गायकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज का यह संकल्प है कि देश के हर क्षेत्र में छठ महापर्व का आयोजन करेंगे। इसके अंतर्गत नदियों, तालाबों और छठ महापर्व के आस–पास सफाई अभियान चलाएंगे।

चिरेका कर्मचारियों को सितंबर माह के लिए मिला "मैन ऑफ द मंथ" का अवार्ड

चित्तरंजन ।

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) में सेवारत (1) श्रीमती शारदा कुमारी, तकनीशियन–/इलेक्ट्रिक लोको शॉप(ELS) –19/ इलेक्ट्रिकल विभाग (2) श्री शीर्षेंदु घोषाल/ सीनियर सेक्शन इंजीनियर/ इलेक्ट्रिक लोको बोगी शॉप(ELB)25 / मैकेनिकल विभाग, (3) श्री प्रद्युत चट्टोपाध्याय, जूनियर इंजीनियर (मैकेनिकल)/MTS–56/ मैकेनिकल विभाग और (4) श्री पंकज कुमारय इंस्पेक्टर/ RPF/TS-Post / सुरक्षा विभाग को सितंबर 2024 के लिए मैन ऑफ द मंथ से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार इनके असाधारण प्रदर्शन, समर्पित योगदान के लिए दिया गया है। श्री हितेंद्र मल्होत्रा, महाप्रबंधक ने आज 26.10.2024 को इन सभी को मैन ऑफ द मंथ पुरस्कार प्रदान किया और बधाई दी। श्रीमती शारदा कुमारी दैनिक उत्पादन योजना टीम से जुड़ी हुई हैं। वह पहले से ही लोकोमोटिव उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण वस्तुओं (critical items) को अग्रिम रूप से रेखांकित करने में सहायक हैं, जो समय पर सामग्री व्यवस्था में मदद करता है। समय सीमा के भीतर शॉप–19 और स्टोर विभाग के प्रगति अनुभाग के साथ समन्वय करके रिपोर्ट और डेटा तैयार करती हैं। श्री सिरशेंदु घोषाल ने इलेक्ट्रिक लोको बोगी शॉप(ELB) के दो प्रक्रियाधीन प्रस्तावों के लिए निविदा प्रक्रिया के समय पर निष्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिनमें 360 वेल्डरों के लिए एक बार का वेल्डर प्रशिक्षण और वेल्डिंग प्रक्रिया विशिष्टताओं (WPS) की समीक्षा और मानकीकरण शामिल हैं। श्री प्रद्युत चट्टोपाध्याय की देखरेख में breakdown conditions में लोको लिफ्टिंग जैक को मरम्मत कर कुछ दिनों के भीतर उत्पादन को सौंप दिया गया, जिससे न केवल स्क्रू रॉड को क्षति से बचाया गया, बल्कि काफी मात्रा में रुपये की भी बचत हुई। श्री पंकज कुमार ने अपने पर्यवेक्षण में Railway Act और RP (UP) Act की विभिन्न धाराओं के तहत कई मामले दर्ज किए हैं, जिसके परिणाम स्वरूप व्यक्तियों की गिरफ्तारी और संपत्ति की वसूली हुई है। उन्होंने, चिरेका परिसर में मवेशियों के अनधिकृत प्रवेश को रोकने , चिरेका टाउनशिप में अनधिकृत संरचनाओं का demolish करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । उन्होंने रेलवे कर्मचारियों द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शनों और धरनों के प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा नो पार्किंग क्षेत्र को बनाए रखना भी सुनिश्चित करने में भी योगदान दिया है ।

भीख मांगे जो अदाकारी से,बच के रहना तुम उसे भिखारी से :

दीपावली शिल्प मेले में कवियों ने जमाया रंग:

प्रयागराज। प्रयागराज स्थित उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र परिसर के शिल्पहाट में आयोजित दीपावली शिल्प मेले में मंच पर पहुंचे कवियों ने खूब रंग जमाया। कवयित्री वंदना शुक्ला द्वारा प्रस्तुत वाणी वंदना के उपरांत कवि सम्मेलन का संचालन कर रहे चर्चित हास्य कवि अशोक सिंह बेशरम ने कहा–भीख मांगे जो अदाकारी से,बच के रहना तुम उसे भिखारी से,आंख में गर बसा सोने का हिरण,फिर तो धोखा है ब्रह्मचारी से।

बाराबंकी से आए शिवम मिश्रा ने भगवान श्री राम का अर्चन करते हुए अपनी काव्य रचना पर खूब तालियां बटोरी तो वहीं रेनू मिश्रा द्वारा प्रस्तुत गीत पर भी श्रोता मंत्र मुग्ध होते रहे।जय कृष्ण राय तुषार ने प्रस्तुत पंक्तियों में कहा–गले में क्रॉस पहने,माथ पर चंदन लगाती है।सियासत भी इलाहाबाद का संगम नहाती है।अपने धारदार व्यंग से परिपूर्ण शेरो शायरी के दौरान खूब समां बांधी। नर कंकाल रायबरेलवी की हास्य रचनाओं पर श्रोता लोटपोट होते रहे। सुल्तानपुर की कवयित्री पल्लवी मिश्रा ने राष्ट्र प्रेम से ओतप्रोत पंक्तियों में खूब वाहवाही लूटी। बरेली के कवि कमल कांत तिवारी ने शहीदों की सोच और राष्ट्र के नवनिर्माण के प्रति समर्पण हेतु युवाओं का आवाहन करते हुए अपनी ओजपूर्ण रचनाओं पर जमकर तालियां बटोरी। देर शाम तक चले कवि सम्मेलन के दौरान सैकड़ों श्रोताओं ने कवियों की प्रस्तुतियों को जमकर सराहा।

रोटरी प्लैटिनम ने एप्पल बाईट के सहयोग से लगाया दो दिवसीय निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैम्प

प्रयागराज, । रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने हरी मस्जिद के पास स्थित एप्पल बाईट डेंटल एंड कॉस्मेटिक क्लीनिक में दो दिवसीय निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैम्प का आयोजन किया। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के अध्यक्ष शशांक जैन ने बताया कि रोटेरियन डॉक्टर इमरान अहमद के सहयोग से यह चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में आमजन लाभान्वित हुए। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने बताया कि यह कैम्प 26 और 27 अक्टूबर 2024 को प्रतिदिन शाम 6 बजे तक चलेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, भारतीय क्रिकेट टीम के चर्चित खिलाड़ी मोहम्मद कैफ का स्वागत पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन पियूष रंजन अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। शिविर में प्रमुख रूप से डॉक्टर इमरान अहमद, डॉक्टर उजमा तारीफ, डॉक्टर अलीशा कायनात, और डॉक्टर मैसा रसूल ने मरीजों की जाँच की। डॉक्टर्स ने हेयर ट्रीटमेंट, लेजर एवं फेशियल कॉस्मेटिक, तथा डेंटल चेकअप का निःशुल्क परामर्श और प्रशिक्षण दिया और निःशुल्क किट उपलब्ध बाटा जिसमें टूथपेस्ट एवं अन्य उपयोगी आइटम्स उपलब्ध थे। पहले दिन इस कैम्प में लगभग 90 से अधिक लोगों का निःशुल्क चेकअप किया गया। इस अवसर पर रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के अन्य प्रमुख सदस्य जैसे डॉक्टर नितिन शर्मा, जय कुमार, डॉक्टर सुभाष यादव, और सिविल लाइन्स व्यापार मंडल के महामंत्री शिव शंकर सिंह भी उपस्थित रहे।

जनता की मदद में लापरवाही पर होगी कार्रवाई, मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को दी चेतावनी

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को चेतावनी दी कि जन समस्याओं के निस्तारण और पीड़ितों की मदद में विलंब या लापरवाही किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए तथा यदि लापरवाही हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिए। आज जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार योगी ने कहा, "जन समस्याओं के निस्तारण और पीड़ितों की मदद में विलंब या लापरवाही किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए और यदि लापरवाही हुई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।" मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी की समस्या के निस्तारण में यदि कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर समाधान कराया जाए तथा किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। बयान में कहा गया कि मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।

अवैध गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के तहत प्रभारी निरीक्षक लालगंज नीरज कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक किलो तीन सौ पचास ग्राम अवैध गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी रज्जन सिंह पुत्र स्व. माधव सिंह निवासी अगई खास को मकदूमपुर के पास से शुक्रवार रात एक किलो तीन सौ पचास ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी रज्जन के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया।

चार के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिश में युवक के साथ की गई मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के सोराठा देवापुर गांव निवासी शिवकुमार वर्मा पुत्र मेड़ई वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीस अक्टूबर को सुबह आठ बजे उसका भाई सुशील कुमार वर्मा ग्रामसभा के लदई का पुरवा से बीमा का कार्य करके वापस घर लौट रहा था। आरोप है कि इसी बीच इसी गांव के सुरेन्द्र मिश्र को अपनी पत्नी को गाली देते देख उसे ऐसा करने से मना करने लगा। इस पर सुरेन्द्र मिश्र के पिता तीरथराज व भाई नागेन्द्र मिश्र तथा भीमराज ने एकराय होकर पीड़ित सुशील को जमकर मारापीटा। गंभीर चोट लगने से वह बेहोश हो गया। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद चार लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है।

रंजिश में हुई मारपीट, चार पर केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने मारपीट की घटना को लेकर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के शीतलमऊ गांव निवासी धीरज गौतम पुत्र छेदीलाल गौतम ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि रंजिश को लेकर तेईस अक्टूबर की शाम करीब साढ़े चार बजे गांव के तीरथराज के पुत्रगण अनुज, अंकुश तथा पुत्री रोशनी व एक अज्ञात ने उसे गाली देते हुए मारापीटा। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

जोन छह में फांगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव,15 से ज्यादा इलाके में पहुंची नगर निगम की टीम

लखनऊ,(एजेंसी)। नगर निगम की टीम ने शनिवार को जोन छह में फांगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव किया। जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में चले अभियान के दौरान गढ़ी पीर खां वार्ड में छिड़काव किया गया। मनोज यादव ने बताया कि इस दौरान मोहल्लें,गलियों ,खाली प्लाटों ,नालों में फॉगिंग की गई। करीब 15 से ज्यादा इलाकों में टीम पहुंची थी। दरअसल, लखनऊ में पिछले दिनों डेंगू और मलेरिया के केस लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में उनके खिलाफ नगर निगम शहर के सभी जोन में लगातार अभियान चला रहा है। खासकर खाली पड़े प्लाट में फैली गंदगी पर कार्रवाई की जा रही है। इसमें प्लाट मालिक की जानकारी होने पर नोटिस जारी कर जुर्माना वसूला जा रहा है। वार्ड में स्वच्छता अभियान बढ़ाने के लिए लोगों ने अपील की जा रही है कि वह डोर टू डोर कलेक्शन करने वाले टीम को ही कूड़ा दे। इस दौरान वार्ड और मोहल्लों में लोगों को जागरूक करने का अभियान भी चलाया गया। लोगों से गीला और सूखा कूड़ा अलग–अलग रखने को कहा गया। यह भी कहा गया कि कूड़ा नगर निगम की टीम को ही दिया जाए। जिससे उसका सही निस्तारण हो सके। प्रचार के दौरान बहुत से भवन स्वामियों ने नगर निगम को कूड़ा नहीं देने की बात कही, जिस पर मौके पर कूड़ा नहीं देने पर वातावरण में फैल रहे दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। यह भी कहा गया कि कूड़ा अगर नाली और बाकी जगह डाला गया, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसमें जोनल सफाई इंस्पेक्टर की तरफ से कार्रवाई की जाती है।

सपा की 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी, आजम खां का नाम भी शामिल

लखनऊ,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने यूपी में नौ सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है जिसमें सीतापुर जेल में बंद वरिष्ठ नेता आजम खां का नाम भी शामिल है। सूची में पहले स्थान पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम अंकित है। सूची में 40 नेताओं को शामिल किया गया है। सपा के लिए स्टार प्रचारक क्रमशः अखिलेश यादव प्रो. रामगोपाल यादव मोहम्मद आजम खां डिंपल यादव जया बच्चन शिवपाल सिंह यादव रामजी लाल सुमन श्याम लाल पाल बाबू सिंह कुशवाहा लालजी वर्मा हरेंद्र मलिक अवधेश प्रसाद नरेश उत्तम पटेल इंद्रजीत सरोज माता प्रसाद पांडेय विशम्भर प्रसाद निषाद राम अचल राजभर ओम प्रकाश सिंह कमाल अख्तर शाहिद मंजूर रामगोविंद चौधरी लालबिहारी यादव जावेद अली खान राजाराम पाल महबूब अली जियाउर्रहमान बर्क देवेश शाक्य रामआसरे विश्वकर्मा रमेश प्रजापति किरनपाल कश्यप राम औतार सैनी रेखा वर्मा त्रिभुवन दत्त अतुल प्रधान मिठाई लाल भारती आबिद रजा संजय कविता राजपाल कश्यप मो. शकील अहमद कश्यप और जुगुल किशोर बाल्मीकि शामिल हैं।

भाजपा ने किया विश्वकर्मा समाज का अपमान–राम आसरे

खत्म की विश्वकर्मा पूजा की छुट्टी

लखनऊ,(एजेंसी)। सपा राष्ट्रीय सचिव पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने फूलपर विधानसभा के गांव नीबीकला में विश्वकर्मा समाज की चौपाल में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी के पक्ष में वोट मांगे और भारी मतों से जिताने की अपील की। पूर्वमंत्री ने कहा,फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के जीत जाने से प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने का रास्ता साफ होगा। भाजपा ने विश्वकर्मा समाज का अपमान किया। विश्वकर्मा पूजा की सरकारी छुट्टी को निरस्त किया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना केवल विश्वकर्मा लोगों को मजदूरी कराने वाली योजना है इसलिए टूल किट्स दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा स्कीम में लोहार बढ़ई सोनार नाई कुम्हार कहार माली दर्जी मोची सहित 18 प्रजा जातियों को टूल किट्स देकर उन्हें मजदूर बनाने की योजना है। इन समाज के लड़के कब पढ़ेंगे और कब अधिकारी बनेंगे। सरकार इन्हें डाक्टर इंजीनियर आइएएस पीसीएस क्यों नहीं बनाना चाहती।

सम्पादकीय.....

समरसता की सोच

देश की सर्वोच्च अदालत ने अपने दो अहम फैसलों में स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। साथ ही यह भी कि भारतीय संदर्भ में यह सोच सदा से रची–बसी रही है। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने अपने दो हालिया फैसलों के संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या की है। पहले बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया। वहीं अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता को लेकर अपनी सुविधा अनुसार व्याख्या नहीं की जा सकती। कोर्ट का निष्कर्ष यह भी था कि संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता शब्द जोड़े जाने से पहले भी यह भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण सोच रही है। अदालत का कहना था कि समानता व बंधुत्व शब्द इसकी मूल भावना को ही अभिव्यक्त करते हैं। वैसे भारतीय समाज ने इस शब्द के मूल भाव का सहजता से अंगीकार किया भी है। यही वजह है कि कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान का मूल स्वर बताते हुए इसकी संकुचित व्याख्या करने से बचने के लिये कहा। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। निस्संदेह, यह वक्त की जरूरत भी है। वहीं दूसरी ओर बीते मंगलवार को शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द करने के फैसले को भी अनुचित ठहराया। इसके बजाय कोर्ट ने ऐसे कदम उठाने की जरूरत बतायी जो मदरसों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ सकें। कोर्ट को मानना था कि ऐसे मामलों की की गई संकुचित व्याख्या से उत्पन्न होने वाली विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इससे पहले संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से तल्ख सवाल भी किए थे। कोर्ट न जानना चाहा कि क्यों उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परहेज है। इस बाबत याचिकाकर्ताओं की दलील थी कि उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से परेशानी नहीं है। उन्हें राजनीतिक दलों द्वारा राजनीतिक लक्ष्यों के लिये कालांतर संविधान संशोधन के जरिये इस शब्द को शामिल करने पर आपत्ति है। दरअसल, अदालत का कहना था कि भारतीय जीवन दर्शन में इस सोच का गहरे तक अंगीकार किया गया है। साथ ही कोर्ट ने मदरसा एजुकेशन एक्ट को रद्द करने को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के विपरीत बताया। यह भी कि इस शब्द की संकुचित व्याख्या के चलते ही उत्तर प्रदेश के हजारों मदरसों के लाखों छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया था। अदालत का मानना था कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठ्यक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढालना जाना चाहिये। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। अदालत ने दो टूक कहा भी कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंततरू इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा। यह भारतीय समाज में सदियों से फल–फूल रही गंगा–जमुनी संस्कृति के पोषण की भी अपरिहार्य शर्त है। साथ ही एक वाइब्रेंट लोकतांत्रिक समाज की आवश्यकता भी है। निश्चित तौर पर शीर्ष अदालत की ये टिप्पणियां जहां राजनीतिक दलों को आईना दिखाती हैं, वहीं आम लोगों को उदारवादी दृष्टिकोण के साथ सह–अस्तित्व की सोच का पोषण करने की जरूरत भी बताती हैं। जो वक्त के हिसाब से तार्किक भी है।

बाघों के बहाने वीरान होते गांव

राजकुमार सिन्हा

इसके तहत पहले वन अधिकारों की संपूर्ण मान्यता दी जाती है। उचित प्रतिनिधित्व के साथ विशेषज्ञ समिति गठित की जाती है जिसमें स्थानीय समुदाय का प्रतिनिधि भी शामिल होता है। यह समिति विमर्श की खुली प्रक्रिया अपनाती है। प्रत्येक मामले के लिए व्यक्तिगत रुप से वैज्ञानिक और निष्पक्ष आधार का उपयोग किया जाता है।

मध्यप्रदेश में आजकल राजधानी भोपाल से लगे हुए रातापानी अभ्यारण्य को 8 वां टाईगर रिजर्व बनाने की तैयारी चल रही है जिसमें 2170 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें राज्य के सीहोर और औबेदुल्लागंज के वन क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इसके अंदर 32 गांवों के दस हजार परिवार निवासरत हैं। दूसरी ओर अलग– अलग श्टाईगर रिजर्वश के बीच कॉरीडोर बनाया जाना प्रस्तावित है जिसमें अनेक गांवों के विस्थापन की संभावना है। इस कॉरीडोर में कान्हा से पेंच टाईगर रिजर्व, पेंच से सतपुडा टाईगर रिजर्व और बांधवगढ़ से संजय टाईगर रिजर्व को जोडा जाएगा। देश के 19 राज्यों के 53 टाईगर रिजर्व से 848 गांव के 89808 परिवारों को टाईगर रिजर्व के कोर क्षेत्रों से विस्थापित किया जाना प्रस्तावित है जिनमें अधिकांश आदिवासी समुदाय के लोग हैं। अभी तक 257 गांवों के 25007 परिवारों को हटाया जा चुका है। विगत 19 जून 2024 को पर्यावरण मंत्रालय के राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने एक आदेश जारी किया है। इसमें सभी राज्यों के अधिकारियों को राज्य में घोषित किए गए टाईगर रिजर्व के कोर क्षेत्रों में मौजूद 591 गांवों और उनके 64801 परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर स्थानांतरित करने का निर्देश शामिल है और इस पर कार्य योजना तथा नियमित प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है। एनटीसीए द्वारा विस्थापन को लेकर उठाये गए ये कदम पूर्ण रूप से कानून और संरक्षण के ढाचों व भावनाओं की अवहेलना करते हैं और अनेक संबंधित कानूनों का उल्लंघन करते हैं। इनमें वन अधिकार कानून –2006, वन्यप्राणी संरक्षण कानून दृ 1972 व संशोधित 2006, श्भू–अर्जन, पुनर्वास और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम –2013, पेसा कानून – 1996, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम–1989 शामिल हैं। एनटीसीए द्वारा निर्देशित यह विस्थापन वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में संरक्षण के नाम पर सबसे बड़ा विस्थापन होगा। बाघ परियोजना की शुरूआत 7 अप्रेल 1973 को हुई थी। इसके तहत शुरू में देशभर में 9 श्बाघ अभ्यारण्य बनाए गए थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 53 हो गई है। एनटीसीए के गठन सबंधी प्रावधानों की व्यवस्था करने के लिए वन्यजीव संरक्षण अधिनियम – 1972 में संशोधन किया गया। इन्हीं संशोधनों के बाद वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम–1972 तथा संशोधित 2006 की धारा 38–(4) (द्बद्ब) के अनतर्गत प्रत्येक टाइगर रिजर्व में बफर क्षेत्र अधिसूचित किया जाना अनिवार्य किया गया है। बफर क्षेत्र क्रिटिकल टाईगर हैबीटेट (संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र) या कोर क्षेत्र के चारों ओर का वह क्षेत्र है, जहां श्कोर क्षेत्रश की तुलना में कम प्रतिबंधों की आवश्यकता होती है एवं श्क्रिटिकल टाईगर हैबीटेट की समग्रता के लिए आवश्यक है। श्वन अधिकार कानून 2006श की कंडिका – 4(2) में प्रावधान है कि संकटग्रस्त बाघ आवासों की स्थापना राज्य सरकार द्वारा इस विषय पर गठित विशेषज्ञ समिति के परामर्श के आधार पर अधिसूचना के माध्यम से की जाएगी। इन क्षेत्रों की स्थापना वैज्ञानिक तथ्यों और उद्देश्यों के आधार पर बाघ संरक्षण के उद्देश्य के लिए की जाती है। इन क्षेत्रों की अधिसूचना जारी करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि जनजातियों या वन–निवासियों के अधिकारों को किसी प्रकार के प्रभाव से मुक्त रखा गया है। बफर क्षेत्र में लोगों की आजीविका, विकास, सामाजिक–सांस्कृतिक अधिकारों के साथ वन्यजीव तथा मानवीय कार्यों के सह–अस्तित्व के उद्देश्यों को बढाना जरूरी है। बफर क्षेत्र की सीमाओं का निर्धारण वैज्ञानिक तथा उद्देश्यों के आधार पर सबंधित ग्रामसभा और इस उद्देश्य के लिए गठित विशेषज्ञ समिति से परामर्श द्वारा होता है। स्थानीय समुदाय और संरक्षित क्षेत्रों (अभ्यारण्य और राष्ट्रीय उद्यान) में वन्यजीवों के बीच टकराव की स्थिति में श्संरक्षित क्षेत्रश के अन्तर्गत संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र घोषित किए जाने की पूरी प्रक्रियाओं के चरण निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत पहले वन अधिकारों की संपूर्ण मान्यता दी जाती है। उचित प्रतिनिधित्व के साथ विशेषज्ञ समिति गठित की जाती है जिसमें स्थानीय समुदाय का प्रतिनिधि भी शामिल होता है। यह समिति विमर्श की खुली प्रक्रिया अपनाती है। प्रत्येक मामले के लिए व्यक्तिगत रुप से वैज्ञानिक और निष्पक्ष आधार का उपयोग किया जाता है। संकटग्रस्त वन्यजीव आवास क्षेत्र घोषित करने के पहले वन्यजीवों को होने वाली अपरिवर्तनीय क्षति और उनके अस्तित्व के लिए खतरे को स्थापित किया जाना जरूरी है। यदि क्षेत्र में सामूहिक रूप से कोई खतरा होता है तो सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजनाओं में संशोधन या फिर, यदि जरूरी हो तो योजनाओं में दिए गए अधिकारों या उसे लागू करने के तरीकों में संशोधन के माध्यम से सह–अस्तित्व का परीक्षण किया जाता है। अगर सह–अस्तित्व संभव है तो लंबे समय के लिए सह–प्रबंधन प्रणाली बनाई जाती है। अगर सह–अस्तित्व संभव नहीं है तो सबंधित हिस्सों के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज तैयार किया जाता है जो मौजूदा कानूनों और नीतियों के अनुरूप हो और जिसे सबंधित ग्रामसभाओं की पूर्ण सहमति प्राप्त हो गई हो। टाइगर रिजर्व की घोषणा के पहले उपरोक्त सभी प्रक्रियाओं को नजरअंदाज कर गांवों को स्थानांतरित करने पर जोर दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, संजय–दूबरी, सतपुडा, पन्ना और वीरांगना दुर्गावती श्टाईगर रिजर्वश हैं जो अन्य राज्यों से अधिक है। इन 7 श्टाईगर रिजर्वश में से 165 गांवों के 18626 परिवारों को नोटिफाई किया जा चुका है और जिसमें से 109 गांवों के 9058 परिवारों को विस्थापित किया जा चुका है। अब 56 गांवों के 9568 परिवारों को विस्थापित किया जाना शेष है। विस्थापित परिवारों को जो आश्वासन दिए गए थे, वे पूरे नहीं हुए हैं। सतपुड़ा टाईगर रिजर्व के गांव साकई, झालई, नया माना और खामदा को जमानी के पास बसाया गया है, परन्तु यहां पीने के पानी तक का संकट है। इसी वर्ष श्अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवसश पर नई दिल्ली स्थित एक मानव अधिकार समूह द्वारा भारत के बाघ अभ्यारण्य आदिवासी बाहर निकलें, पर्यटकों का स्वागतश शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रोजेक्ट टाईगर के कारण अनुसूचित जनजातियों और अन्य वन–निवासी परिवारों के कम–से–कम 5.5 लाख लोग विस्थापित होंगे। 2021 से पहले 50 श्बाघ अभ्यारण्योंश से विस्थापित लोगों की संख्या 254794 थी।

मोदी–जिनपिंग वार्ताः ईमानदार अमल जरूरी

फिरोज़

रूस के कजान में चल रही ब्रिक्स की बैठक के दौरान मिले भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता के कई सकारात्मक बिंदु हैं, बशर्ते कि उनका ईमानदारी से पालन हो। इस वार्ता में जिन बातों को लेकर सहमति बनी है, उन पर अगर बराबरी के स्तर पर क्रियान्वयन हो तो भारत को कहीं ज्यादा फायदा होगा। पिछले 10 वर्षों में इन दो पड़ोसी मुल्कों के रार्ष्ट्राध्यक्षों की कहने को तो 20 मुलाकातें हो चुकी हैं परन्तु दोनों के बीच स्थायी शांति के माहौल के कोई चिन्ह तक दिखाई तक नहीं देते। चीन ने भारत के लद्दाख क्षेत्र में न केवल बड़े भूभाग पर अतिक्रमण किया हुआ है बल्कि व्यापारिक तौर पर देखें तो उसे भारत से ही बड़ा मुनाफा हो रहा है। परस्पर आयात–निर्यात में बड़ा अंतर है। यानी जितनी मात्रा में चीन भारत को विभिन्न तरह की वस्तुओं का निर्यात कर रहा है, उसके मुकाबले भारत का उस देश को निर्यात बहुत कम है। हालांकि इसमें चीन इसलिये मददगार साबित नहीं हो सकता क्योंकि भारत की निर्माण एवं उत्पादन की क्षमता ही वैसी नहीं है जो चीन का मुकाबला कर सके। इन सबके बावजूद कूटनीतिक व रणनीतिक

तौर पर श्लाल ड्रैगनश कहे जाने वाले देश के साथ भारत के सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्ध समय की जरूरत है। उसकी विस्तारवादी नीति पर भारत अन्य देशों को साथ लेकर ही रोक लगा सकता है। इसके बावजूद मोदी–जिनपिंग वार्ता के महत्व से इंकार नहीं किया जा सकता। आबादी के मामले में दुनिया के सबसे बड़े दो देशों के बीच अच्छे और सहयोगात्मक रिश्ते दुनिया के लिये तो मायने रखें या न रखें, भारत के लिये नितांत जरूरी हैं। इस वार्ता में विकास को साझा लक्ष्य निरूपित किया गया है। भारत के चीन से व्यवसायिक सम्बन्ध भी अच्छे होने चाहिये ताकि दोनों देश मिल–जुलकर विकास करें। वैसे इसका सीधा सम्बन्ध दोनों देशों के बीच वास्तविक रूप से शांतिपूर्ण और विवादरहित वातावरण से है। दोनों देशों की सीमाओं पर पिछले करीब 5 वर्षों से तनातनी है। अनेक क्षेत्रों पर चीन द्वारा घुसपैठ की शिकायतें हैं। खासकर गलवान क्षेत्र में तो दावा किया जाता है कि कई किलोमीटर तक चीनी सीमाएं न केवल घुस आई हैं वरन उन्होंने भारतीय सीमा सुरक्षा बलों को गश्त लगाने से भी मना कर रखा था। अपनी विश्वगुरु की छवि बनाने तथा पीएम बनने के पहले श्चीन को लाल आंखेंश दिखाने जैसे बड़बोलेपन ने मोदी को इस कदर मजबूर कर दिया था कि उन्होंने इस बात से ही इंकार कर दिया था कि चीन ने कोई घुसपैठ की है। उन्होंने संसद में यहां तक कहा कि श्न तो कोई सीमा में घुसा है, न ही घुसा था। इससे चीन का साहस इस कदर बढ़ा कि उसने अनेक भारतीय क्षेत्रों में न केवल अपनी बस्तियां बसा लीं वरन हेलीपैड तक बना डाला। इतना ही नहीं, चीन भारत के सीमावर्ती राज्य अरूणाचल प्रदेश पर भी अपना दावा पेश करता रहा है। यह अच्छी बात है कि दोनों देश अब अपनी–अपनी सेनाओं को पीछे हटाएंगे। हालांकि यह अब भी अंधेरे में है कि आखिर चीनी सीमा कितने पीछे हटेगी जो पिछले कुछ वर्षों में काफी आगे तक बढ़ आई है और यह भी साफ हो कि भारतीय सीमा कितनी पीछे हटेगी जो पहले से पीछे हटी हुई है। इस वार्ता का एक अच्छा पहलू यह भी है कि स्वयं चीनी राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि उभय देशों को संयुक्त राजनीतिक धारणा बनानी चाहिये। उन्हें सद्भावनापूर्वक विकास के लिये सही तथा सकारात्मक मार्ग खोजने चाहिये। दूसरी तरफ नरेन्द्र मोदी ने भी भारत–चीन सम्बन्धों को क्षेत्रीय व वैश्विक शांति तथा स्थिरता के लिये महत्वपूर्ण बताया। उनका यह कहना अहम है कि परस्पर विश्वास, एक–दूसरे के लिये सम्मान एवं संवेदनशीलता सौहार्द्रपूर्ण सम्बन्धों का आधार होंगे।इस एक दशक में कभी गर्म कभी नर्म सम्बन्धों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यवसायिक हितों के सम्बन्ध बने हुए हैं। इसमें एक ओर तो स्वयं मोदी की गलती है जो गुट निरपेक्षता की राह को छोड़कर पश्चिमी व बड़े देशों, खासकर अमेरिका तथा यूरोपीय देशों के साथ सम्बन्ध बनाने में ज्यादा रुचि लेते रहे, तो दूसरी ओर मोदी की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं एवं उसके आईटी सेल सहित असंख्य कार्यकर्ताओं ने चीन के प्रति देश में नकारात्मक वातावरण बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिवाली पर वहां की झालरों व बल्बों, होली की पिचकारियों के बहिष्कार तथा कुछ एप्स पर प्रतिबंध जैसे बचकाने अभियान चलाये गये। इन सबसे चीन का तो विशेष कुछ नहीं बिगड़ा, उल्टे भारत से चीन को होने वाला थोड़ा बहुत निर्यात या यहां से चीन में जाकर काम करने वाले व्यवसायियों के कारोबार ठप हो गये।

चीन के भारत में बड़े निर्माण एवं ठेके बदस्तूर जारी रहे। अब इस वार्ता से उम्मीद की जा रही है कि यह व्यवसाय पटरी पर लौट आये। शी जिनपिंग ने इस बात को स्पष्ट किया कि श्दोनों देश प्रतिस्पर्धी नहीं वरन सहयोगी हैं। ये ऐसे सारे सकारात्मक बिन्दु हैं जिन पर दोनों देश यदि साथ–साथ ईमादारी से पहल करें तो दोनों ही देशों को फायदा हो सकता है। चीन चाहे भारत से आगे निकल गया हो परन्तु दोनों देशों को सीमाओं पर शांति तथा सौहार्द्र से विकास की नयी इबारत लिखी जा सकती है। भारत को एक परिपक्व कूटनीति का परिचय देते हुए तथा इतिहास को भूलकर, लेकिन बेहद सावधानी से आगे बढ़ना होगा। इसी में दोनों का हित है।

हिंसा के मौजूदा माहौल में चिकित्सा पेशे के सामने बड़ी चुनौती

डॉ. अरुण मित्रा

शायद हम तब तक यह नहीं समझ पाये कि हमारे समाज में नैतिक संकट खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जब तक कि हमने कोलकाता में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और जघन्य हत्या की खबर नहीं सुनी। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर मुख्य रूप से दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई, अस्पतालों में सुरक्षा और संरक्षा, सरकारी अस्पतालों में बुनियादी ढांचे को अपडेट करने और इस प्रकार रोगी देखभाल की गुणवत्ता में सुधार की मांग करते हुए अपना आंदोलन जारी रखे हुए हैं। डॉक्टर कई जगहों पर भीड़ की हिंसा का निशाना बने हैं, ज़्यादातर तुच्छ कारणों से। इसलिए, कार्यस्थल पर सुरक्षा की माग को लेकर डॉक्टरों के बीच आक्रोश, खासकर महिला डॉक्टरों के लिए, बिल्कुल जायज है। ये ऐसे मुद्दे हैं जिनके लिए डॉक्टरों को आंदोलन करने की जरूरत नहीं है, और संबंधित सरकारों का यह कर्तव्य है कि वे विभिन्न क्षेत्रों में सभी नागरिकों के लिए काम करने के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा पेशेवरों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि उन्हें दिन–रात काम करना पड़ता है। वर्तमान परिस्थितियों में जब महिला डॉक्टरों की संख्या पुरुष सहकर्मियों से अधिक है, तो उनकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। कोई भी व्यक्ति किसी भी दवा की प्रतिक्रिया, शल्य चिकित्सा विफलता, चिकित्सा विफलता या अनजाने में हुई लापरवाही से पूर्ण इलाज या 100 प्रतिशत सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकता है। इसलिए जब स्वास्थ्य सुविधाओं और डॉक्टरों और पैरामेडिक्स सहित कर्मचारियों पर हमला किया जाता है और उपकरण, संपत्ति और अन्य बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया जाता है, जिसने सैकड़ों रोगियों को बीमारी से उबरने में मदद की है, तब यह अस्वीकार्य है। आर जी कर मेडिकल कॉलेज के मामले में, यह संगठित अनियंत्रित भीड़ थी जिसने सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिये और सुबूत नष्ट करने की कोशिश की। मामला अब सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में जांच के अधीन है। आर जी मेडिकल कॉलेज कोलकाता की घटना इस बात का दुखद प्रतिबिंब है कि हम कितने अधीर, बेचौन, आक्रामक और बेपरवाह समाज बन गये हैं। अस्पताल, क्लीनिक या अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को अब तक पूजा स्थल माना जाता रहा है और समाज द्वारा उन्हें उचित सम्मान दिया जाता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भीड़ द्वारा हत्या और घृणा फैलाने वालों को संरक्षण देकर समाज में आक्रामकता को बढ़ावा दिया गया है। बलात्कारियों और हत्यारों को बार–बार पैरोल दिए जाने से समाज में ऐसी मानसिक स्थिति बन गयी है, जहां आक्रामकता को सामान्य माना जाता है और इसने हिंसा और संघर्षों के राजनीतिकरण के संबंध में आबादी को लगभग असंवेदनशील बना दिया है। नैतिक पतन घर से शुरू हुआ है, जहां गुणात्मक संचार बदल गया है या कम हो गया है। स्कूलों में प्रारंभिक चरणों में शिक्षा की गुणवत्ता की कमी ने इसे और बढ़ा दिया है। चिकित्सा पेशे के लिए ये गंभीर मुद्दे हैं, जिन पर विचार करना चाहिए। चिकित्सा क्षेत्र में कॉर्पोरेट जगत के प्रवेश के साथ चिकित्सा पेशा गंभीर प्रतिस्पर्धी व्यवसाय मॉडल बन गया है, जिसमें पीड़ितों या उनके परिवार के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है। बढ़ती असमानताओं और कॉर्पोरेट संचालित स्वास्थ्य क्षेत्र में लोगों की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा वहन करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप चिकित्सा पेशे की अखंडता सवालों के घेरे में है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ चिकित्सा पेशेवरों ने स्वास्थ्य सेवा की कॉर्पोरेट प्रणाली को अपना लिया है और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के प्रति चिंता खो दी है। भविष्य में कई युवा डॉक्टर महामारी वैज्ञानिक या सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ बनेंगे। उन्हें बीमारियों, संक्रमण और रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के लिए परिस्थितियों से निपटना होगा। उन्हें स्वच्छ पेयजल, सीवरेज सुविधाओं, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वस्थ पोषण तथा अन्य ऐसे मुद्दों के बारे में उच्च अधिकारियों से बात करनी होगी। उन्हें कई बीमारियों की रोकथाम के कार्यक्रम, कुछ बीमारियों के दौरान टीकाकरण, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि की रोकथाम के लिए बरसात के मौसम में फॉगिंग करने में प्रशासन की विफलताओं पर प्रतिक्रिया देनी होगी। डॉक्टरों को प्राकृतिक आपदाओं में अपनी जान जोखिम में डालकर विपरीत परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। यह जलवायु परिवर्तन और इसके शमन के प्रति हमारे दृष्टिकोण को ध्यान में लाता है। यह सही समय है कि हम ऐसे मुद्दों पर नवोदित डॉक्टरों को प्रशिक्षित करें। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंसा में वृद्धि एक वैश्विक घटना बन रही है। दुनिया के कई हिस्सों में चरम प्रकार की हिंसा देखी जा रही है। मध्य पूर्व और यूक्रेन के युद्धों में हजारों असहाय बच्चे और महिलाएं मारी जा रही हैं और चिकित्सा के अभाव में मर रही हैं।

अफ्रीका और अन्य जगहों के कई हिस्सों में संघर्षों में सैकड़ों लोग भूख, कुपोषण और बीमारियों से मर रहे हैं। विश्व गरीबी रिपोर्ट 2024 के अनुसार हमारे देश में 129 मिलियन लोग 180 रुपये प्रतिदिन की मामूली मजदूरी पर अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं, जो उनके पोषण और स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है। इन दिनों हिंसा की रोकथाम एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। हमें सामाजिक सद्भाव और तनाव में कमी के लिए काम करना चाहिए ताकि हिंसा को रोका जा सके। डॉक्टरों के रूप में हमें दुनिया भर के शांतिप्रिय लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करनी होगी, संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए मजबूत आवाज उठानी होगी और फिजूलखर्ची को खत्म करना होगा।हथियारों की दौड़ और स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य सामाजिक आवश्यकताओं के लिए धन के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए हमें इसके विरूद्ध आवाज उठानी होगी।

श्रेया घोषाल

बोलीं– मेरा बेटा अभी तीन साल का है पर सुरीला है, म्यूजिक चलता है तो वो साथ में गाता है

श्रेया घोषाल ने भारतीय संगीत में अपने ढाई दशक लंबे करियर में अहम योगदान दिया है। रिएलिटी शोज में जज के तौर पर श्रेया श्इंडियन आइडल 15श से जुड़ी हैं। उन्होंने बताया कि उनका बेटा अभी तीन साल का है, लेकिन म्यूजिक में रुझान तो है। उन्होंने कहा– बहुत उछल–कूद करता है, बहुत चंचल है, पर सुरीला है।

श्रेया घोषाल ने अपने करियर की शुरुआत रिएलिटी शो से की, आज वो श्इंडियन आइडल 15श की जज हैं

श्रेया घोषाल ने कहा है कि उनकी 3 साल का बेटा घर में हर वक्त म्यूजिक चलता है तो वो साथ में गाता है

म्यूजिक पर एआई के खतरे पर बात करते हुए कहा– वह आवाज का टेक्स्चर पकड़ लेगा, इमोशन को नहीं

अपने पहले ही गाने बैरी पिया के लिए नैशनल अवॉर्ड जीतने वाली सुरों की मलिका श्रेया घोषाल ने करीब ढाई दशक लंबे करियर में भारतीय संगीत का फलक हर तरह से ऊंचा किया है। इसके साथ ही वह उभरते गायकों को मंच देने वाले रिएलिटी शोज में जज की भूमिका में नई पीढ़ी के गायकों का हुनर भी तराशती रही हैं। इन दिनों इंडियन आइडल 15 में जज का दायित्व निभा रहीं श्रेया से हमने की खास बातचीतरू

किसी ने कहा है कि औरतें जब कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलती हैं तो कमाल होता है। ऐसा ही कमाल आपके और सुनिधि चौहान के हालिया कोलैबरेशन श्छैलाश को देखकर महसूस हो रहा है। आप दोनों साथ में कैसे एक–दूसरे को एम्पावर करती हैं, तुलना वाली फीलिंग नहीं आती?

यह बिल्कुल सही है कि महिलाएं साथ में आ जाए तो कमाल होता है, क्योंकि हर औरत अपने में एक शक्ति हैं। उनमें इतनी शक्ति है कि वे एक समय पर जिंदगी में बहुत सारी चीजें कर सकती हैं। ऐसे में, जब औरतें साथ आती हैं तो पावरहाउस जैसा हो जाता है। वहीं, जब दो कलाकार साथ आ जाएं तो धमाका होना ही है। मैं बहुत सम्मानित महसूस करती हूं जब कमाल के कलाकारों या एक संपूर्ण महिला से मिलती हूं, जैसी सुनिधि हैं। हम दोनों कंटेपरेरी हैं। हमने फिल्मों में बहुत से गाने साथ गाए हैं। छैला में पहली बार इंडिपेंडेंट म्यूजिक के लिए कोलैबरेट किया, जहां हमें साथ में वक्त बिताने, गाने के बारे में डिस्कस करने का मौका मिला तो बहुत मजा आया। तुलना वाली कोई बात ही नहीं है। हमारे समाज में अक्सर लड़कियों को एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जाता है। लोगों को इसमें मजा आता है, मगर हम दोनों बहुत कूल हैं। हमारे बीच कोई ईगो क्लैश, कोई घमंड नहीं है। हम दो म्यूजिक से प्यार करने वाले लोग हैं। हम बहुत एक जैसे हैं तो हमारी बहुत अच्छी बनती है।

आपने खुद अपना करियर रिएलिटी शो से शुरू किया था। आज आप श्इंडियन आइडल 15श जज कर रही हैं। पहले भी आप कई शोज जज कर चुकी हैं। तब और आज के तकनीक और सोशल मीडिया वाले दौर में इन सिंगर्स की सोच में क्या बदलाव पाती हैं?

देखिए, हमारे शोज में बहुत से बच्चे देश के छोटे–छोटे हिस्सों से आते हैं। उन्होंने यह दुनिया देखी नहीं है। उनके लिए ये बहुत बड़ी है कि वह इस मंच तक पहुंच पाए तो उनमें वही मासूमियत है। संगीत को लेकर वही पैशन है। लेकिन हां, आज सोशल मीडिया का जमाना है, अपना टैलंट दिखाने के बहुत सारे मंच हैं, तो बहुत से कंटेस्टेंट्स ऐसे भी होते हैं जिन्हें लगता है कि मुझे सोशल मीडिया पर बहुत प्यार मिला है तो मैं बहुत अच्छा हूं, लेकिन जब जजेज के सामने उनकी खामियां दिख जाती है तो वो थोड़ा निराश हो जाते हैं कि अरे, मैं तो अच्छा गाता हूं। निश्चित तौर पर आप अच्छा गाते हैं, लेकिन तालीम और फोकस जरूरी है। आज बहुत जल्द बहुत सारा नाम पाने वाला वक्त है। हर कोई शॉर्ट कट से सफलता चाहता है, मगर म्यूजिक ऐसी चीज है जिसके लिए साधना चाहिए। यह रील वाली शोहरत के लिए एक अलग करियर है। उन्हें इंफ्लूएंसर कहते हैं। कलाकार बनने के लिए मेहनत लगेगी। मेरा कहना है कि सोशल मीडिया पर आप जरूर रहो, क्योंकि आज लोग सिर्फ आपकी आवाज नहीं, आपके व्यक्तित्व को भी जानना चाहते हैं, जो बहुत अच्छी बात है। पहले यह माध्यम हमारे पास नहीं था, आज है। बस पहले तैयार हो, म्यूजिक में अच्छा करो, फिर सोशल मीडिया पर अपने म्यूजिक, अपनी आवाज, अपनी जर्नी शेयर करो।

तकनीक की बात चली है, तो एआई को लेकर आपकी क्या सोच है? क्या यह संगीतकारों या सिंगर्स के लिए कोई खतरा है?

पता नहीं। मुझे ये कहना बहुत मुश्किल लग रहा है, क्योंकि अभी इसके नैतिक या कानूनी पहलू साफ नहीं हैं। यह आने वाले समय में पता चलेगा, मगर एआई को आप रोक तो सकते नहीं हैं। एक समय था जब सारे म्यूजिशियन एक साथ एक कमरे में बजाते थे, फिर तकनीक बदली और वे अलग–अलग रिकॉर्ड करने लगे। फिर एक वक्त आया कि इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक, जहां साज बज नहीं रहे हैं, उन्हें कंम्प्यूटर से प्रोग्राम किया गया है, वो शुरू हुआ। अब एआई आ गया है, तो इसके साथ भी जीना पड़ेगा, लेकिन एआई इंसान के इमोशन को नहीं पकड़ सकता है। इसलिए, मेरे हिसाब से गायकों के लिए यह खतरा नहीं है, क्योंकि वह आवाज का टेक्स्चर पकड़ लेगा, लेकिन उसके इमोशन को नहीं पकड़ पाएगा तो मुझे लगता है कि एआई ठीक है। हमें उसका अच्छा इस्तेमाल करना सीखना चाहिए। बाकी जो एथिकल चीजें हैं, उसके लिए अभी जल्दी है।

आपने अपने बेटे देवयान के लिए गाते हुए बड़ी प्यारी पोस्ट शेयर की हैं। उनका संगीत की ओर रुझान है?

वो अभी तीन साल का है, लेकिन म्यूजिक में रुझान तो है। हमारे घर में हर वक्त म्यूजिक चलता है तो वो साथ में गाता है, पर उसे बिठाकर गाना सिखाने की अभी मेरी हिम्मत हुई नहीं है। वह बहुत छोटा है। बहुत उछल–कूद करता है, बहुत चंचल है, पर सुरीला है। चूंकि, हमारे घर में म्यूजिक का माहौल हमेशा रहता है।

शनाया कपूर ने फिर लगाया ग्लैमर का तड़का, शीशे के सामने दिए जबरदस्त पोज

अपनी लेटेस्ट फोटोज में शनाया कपूर फ्लोरल प्रिंटेड व्हाइट ड्रेस में बला की हसीन लग रहीं हैं और वो शीशे के सामने खड़े होकर एक से बढ़कर एक जबरदस्त पोज देती नजर आ रहीं हैं।

ब्लैक गाउन और ट्रांसपेरेंट श्रग में जैकलीन फर्नांडिस ने रैंप पर ढाया कहर

जैकलीन फर्नांडिस ने रैंप पर ब्लैक शिमरी ऑफ–शोल्डर गाउन में लूटी लाइमलाइट, देखें जरा संभलकर।

श्रद्धा कपूर के कैजुअल लुक पर थम जाएंगी निगाहें

श्रद्धा कपूर ब्लू कलर की शर्ट में फैंस की धड़कनों को बढ़ाती हुई नजर आईं, क्या आपने देखा उनका ये अंदाज।

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान हाल ही में स्विटजरलैंड में आयोजित हुए 77वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बने थे। यहां उनकी साल 2002 में आई फिल्म 'देवदास' की स्क्रीनिंग हुई और उन्हें इस फिल्म के लिए पार्डो अल्ला कैरियरा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। अवॉर्ड लेने के बाद शाहरुख ने वहां की मीडिया को इंटरव्यू दिया और अपनी इस ब्लॉकबस्टर फिल्म के बारे में बात की। शाहरुख ने बताया कि उन्होंने ये फिल्म सिर्फ और सिर्फ अपने माता–पिता की वजह से साइन की थी। क्या बोले शाहरुख खान? शाहरुख ने कहा, "पता नहीं क्यों! पर मुझे ऐसा लगता था कि अगर मैं बड़ी–बड़ी फिल्में करूंगा तो मेरे माता–पिता उसे स्वर्ग से देख सकेंगे। मुझे पता है ये बच्चों वाली बातें हैं, लेकिन मैं अभी भी यही सोचता हूं कि मेरी मां ऊपर जाकर तारा बन गई हैं। 'देवदास' करने से पहले भी मैंने यही सोचा था कि अगर मैं ये फिल्म बनाऊंगा, तो उन्हें यह बहुत अच्छा लगेगा।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आए दिन कुछ न कुछ रिलीज होता रहता है. कभी फिल्में तो कभी वेब सीरीज. ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हर तरह की फिल्में और वेब सीरीज रिलीज होती हैं. किसी का जॉनर कॉमेडी तो किसी का सस्पेंस थ्रिलर होता है. इन्हें जब आप आराम से बैठकर देखते हैं तो मजा आ जाता है. अगर आपको सस्पेंस थ्रिलर फिल्में और वेब सीरीज देखना पसंद है तो इस वीकेंड को बुक कर लीजिए क्योंकि हम आपको कुछ ऐसी ही सीरीज और फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं. जिन्हें देखकर आपको मजा आ जाने वाला है. हेलबाउंड नेटफ्लिक्स पर सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज हेलबाउंड का दूसरा सीजन रिलीज हो चुका है. ये सीरीज सस्पेंस से भरपूर है. ये सीरीज 2 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है. 1000 बेबीज नीना गुप्ता ने एक बार फिर लोगों को अपनी शानदार एक्टिंग से इंप्रेस कर दिया है. उनकी फिल्म 1000 बेबीज आज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो गई है. इस फिल्म को देखकर आप बहुत चौंकने वाले हैं. नीना गुप्ता के लुक से लेकर एक्टिंग तक सब शानदार है. रीता सान्याल अदा शर्मा एक बार फिर लोगों को इंप्रेस कर रही हैं. उनकी वेब सीरीज रीता सान्या डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो गई है.

ये सीरीज भी काफी मजेदार है. गो अहेड, ब्रदर अगर सस्पेंस के साथ क्राइम सीरीज भी देखना पसंद है तो ये आपके लिए सबसे बेस्ट है. इस सीरीज को देखने के लिए आपको थोड़ा सा इंतजार करना पड़ेगा ये नेटफ्लिक्स पर आप 30 अक्टूबर को देख सकते हैं. ये सीरीज दिवाली वीकेंड को मस्त बनाने वाली है. दृश्यम अगर आपने अजय देवगन की दृश्यम अभी तक नहीं देखी है तो ये एक सही मौका है. इस वीकेंड पर ये सस्पेंस फिल्म देख सकते हैं. इस फिल्म के दो पार्ट आ चुके हैं और दोनों ही सुपरहिट साबित हुए थे. दृश्यम को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं.

इस वजह से बच्चों को होती है पेशाब आने में दिक्कत, पैरेन्टस अजमाएं ये नुस्खा

बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए उन्हें खास देखभाल की जरुरत होती है क्योंकि उन्हें कुछ न कुछ समस्याएं होने लगती है। कभी बच्चों को ज्यादा पेशाब आने लगता है तो कभी उन्हें पेशाब आने में दिक्कत होती है। छोटे होने के कारण बच्चे परेशानी बता भी नहीं पाते लेकिन उनके शरीर में ऐसे कई संकेत दिखते हैं जिससे आप परेशानी को समझ सकते हैं। जैसे बच्चे ज्यादा पेशाब आने के कारण परेशान होते हैं वैसे ही वह कम पेशाब आने के कारण भी परेशान हो सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि बच्चों को पेशाब न आने के कारण क्या है और आप उनकी यह समस्या कैसे दूर कर सकते हैं.....

क्यों नहीं आता बच्चों को पेशाब?

पानी की कमी के कारण

बच्चे के शरीर में पानी की कमी के कारण भी उन्हें पेशाब आने में परेशानी हो सकती है। बच्चों को उल्टी, दस्त या किसी अन्य रोग में पानी की कमी होने पर भी यह समस्या उन्हें हो सकती है।

यूरिनेरी ट्रैक्ट में परेशानी होने के कारण

बच्चे के मूत्र मार्ग में रुकावट तब होती है जब उसकी किडनी से पेशाब बाहर नहीं आता। यह समस्या बच्चे की एक या फिर दोनों किडनियों को प्रभावित कर सकती है। इस समस्या में बच्चे को पेशाब न आने या फिर पेशाब बाहर आने में भी समस्या हो सकती है।

दवाई लेने के कारण

कई मालमों में यदि बच्चे पहले से ही दवाई ले रहे हो तो उसके प्रभावों के कारण भी बच्चों को पेशाब आने में परेशानी हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर की दवाई, ड्यूरेटिक्स और एंटीइंफ्लेमेट्री दवाई के कारण उन्हें यह परेशानी हो सकती हैं।

हींग करें इस्तेमाल

बच्चों को पेशाब न आने पर आप कुछ घरेलू नुस्खे भी अपना सकते हैं। बच्चा दो साल से ज्यादा है और उसको ये परेशानी हो रही है तो इस स्थिति में आप उसकी नाभी पर भिगी हुई हींग को रुई की मदद के कुछ देर के लिए रख दें। ध्यान दें कि हींग का ज्यादा इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे भी कई तरह के नुकसान होते हैं थोड़ी सी हींग को रुई में लगाएं। इस

ब्रेकअप के बाद जिंदगी में छा गई है उदासी ? बुरे दौर में खुद को ऐसे दें सहारा

रिश्ता टूटने का दौर बुरा होता है। इस दौरान उदास, दुखी और खुद को खोया हुआ महसूस करना स्वाभाविक है। रिश्ता चाहे अच्छे मोड़ पर खत्म हुआ हो या फिर बुरे पर पल भर में इससे उबरना मुश्किल होता है। रिश्ते में रहने के दौरान आपका पार्टनर आपके डेली रूटीन का हिस्सा बन जाता है। ब्रेकअप के बाद इस रूटीन को बदलने में समय लगता है। इस दौरान आप पार्टनर की कमी महसूस करते हैं और ये खालीपन आपको उदास कर देता है। रिश्ते के टूट जाने को स्वीकार करना जरुरी है तभी आप आगे बढ़ सकते हैं। थेरेपिस्ट जॉर्डन ग्रीन कहते हैं कि ब्रेकअप सिर्फ एक अंत नहीं है, वे एक नई शुरुआत हैं। वे आपको उस सारे प्यार और ऊर्जा को पुनर्निर्देशित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं जो आप दूसरे व्यक्ति में डाल रहे थे, सभी के सबसे महत्वपूर्ण रिश्ते में वापस, वह रिश्ता जो आपके साथ है। अगर आपके लिए भी ब्रेकअप से उबरना मुश्किल हो रहा है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम कुछ ऐसी टिप्स लेकर आए हैं, जो इस बुरे दौर में खुद को सहारा देने के आपके काम आएगी।

दुख को बाहर निकलने दें– ब्रेकअप के बाद खुद को संभालना मुश्किल होता है। इस दौरान एक साथ कई तरह की भावनाएं आप पर हावी हो जाती है। इन भावनाओं को बाहर निकलने दें। रोने का मन कर रहा है तो खुद को रोकने की कोशिश न करें। खुद को हर तरह के दुख और दर्द को महसूस करने दें ताकि बाद में ये आपको कमजोर न कर सकें।

परिवार/दोस्तों की मदद लें– ब्रेकअप के बाद खुद को अकेले नहीं संभाल पा रहे हैं तो अपने करीबी लोगों की मदद लेने से पीछे न हटें। परिवार या दोस्त जिससे भी बात कर के आपके दिल को शांति मिलती है, उन सभी से बात करें। दोस्तों और परिवार वालों से बात करना आपके लिए एक थेरेपी की तरह काम करेगा और आपको ब्रेकअप के बुरे दौर से निकलने में आसानी होगी।

खुद पर ध्यान दें– ब्रेकअप के बाद आपका सारा समय आपका है। इसलिए इस समय को सिर्फ और सिर्फ खुद पर खर्च करें। आपको जो चीजें पसंद है वो करने पर ध्यान दें। बाहर जाएं, मूवी देखें, पार्क में घूमें, जो आपके दिल को खुशी दे वो काम करें। ये सब चीजें ब्रेकअप के दुख को कम करेंगी और आपको आगे बढ़ने का हौसला देगी।

बार-बार खट्टी डकार आने के कारण हो गए हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

बढ़ता तनाव और खराब लाइफस्टाइल कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा है। ओवरइटिंग, ज्यादा मसालेदार खाना खाने, समय पर न खाने और ज्यादा टेंशन लेने से भी अक्सर लोगों को बदहजमी की शिकायत होने लगती है। इसके अलावा भोजन भी अच्छी तरह से पच न पाने के कारण भी लोगों को बदहजमी की शिकायत रहती है और खट्टी डकार आने लगते हैं जिसके कारण पूरा दिन खराब हो जाता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर बदहजमी की समस्या से राहत पा सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में.....

मेथी

यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप मेथी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए मेथी को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट इसका पानी पीएं। इससे खट्टी डकार की समस्या से राहत मिलेगी। रोजाना इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से आपको फर्क नजर आने लगेगा।

लौंग

इसका सेवन करने से भी पाचन तंत्र एकदम स्वस्थ रहता है। यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप लौंग का पानी या फिर लौंग का सेवन करें। इससे आपको फायदा मिलेगा।

इलायची

खट्टी डकार की समस्या में इलायची का सेवन भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसका सेवन करने से गैस और खट्टी डकार जैसी समस्या में आराम मिलेगा।

हींग

बदहजमी से राहत पाने के लिए हींग भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है। गैस या फिर खट्टी डकार में हींग का सेवन करने से आपको फायदा होगा। हींग को पानी में घोटकर पीएं। इससे पेट का भारीपन और खट्टी डकार की समस्या दूर होगी।

जीरा

जीरा भी पेट की समस्याओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। खट्टी डकार, गैस या बदहजमी होने पर जीरे को भूनकर इसका सेवन करें। भूनकर इसके बाद इसे पीसकर पानी में डालकर पीने से भी बदहजमी की समस्या में राहत मिलेगी।

दिल्ली के आसपास मौजूद ये जगहें हैं बेहद खूबसूरत, इस वीकेंड जरूर बनाएं घूमने का प्लान

आज हम आपको दिल्ली से घूमी जाने वाली कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम बजट में एक्सप्लोर कर सकते हैं। साथ ही यह ट्रिप बजट फ्रेंडली होने वाली है। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में।

दिमाग को शांत रखने के लिए घूमने से अच्छा और कोई ऑप्शन नहीं हो सकता है। क्योंकि ट्रेवलिंग सिर्फ 2 मिनट की हो, या फिर 2 घंटे की दूरी का। लेकिन यह अक्सर हमारे मन को खुशी देने का काम करती है। ऐसे में अगर आप भी बोरियत को खत्म करने के लिए कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं और साथ ही बजट फ्रेंडली ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली से घूमी जाने वाली कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम बजट में एक्सप्लोर कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

दिल्ली से आगरा

आगरा शहर दुनिया की एक ऐसी जगह है, जहां पर न सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशी पर्टयक भी भारी संख्या में पहुंचते हैं। आगरा में दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल के दीदार के लिए यहां पर्यटकों की भारी भीड़ लगती है। ताजमहल को प्यार का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आप इस वीकेंड आगरा का ट्रिप प्लान कर सकते हैं। आपको बता दें कि दिल्ली से आगरा ट्रिप के लिए आपके पास 5 हजार रुपए खर्च होंगे। दिल्ली से आगरा की दूरी 233 किमी है।

दिल्ली से जिम कॉर्बेट

भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में शामिल जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क वीकेंड गेटवे में से एक है। यहां पर आपको करीब 5 हजार से अधिक पक्षियों की प्रजातियां और स्तनधारियों की 50 प्रजातियों को देखने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही अगर यहां पर खाने, रहने, ट्रांसपोर्ट, एंट्री चार्जेस आदि की बात करें, तो आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति पर 4000 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। दिल्ली से जिम कॉर्बेट की दूरी 246 किमी है।

दिल्ली से उदयपुर

उदयपुर अपनी खूबसूरत झीलों, नजारों और आकर्षक संरचनाओं के लिए फेमस है। यहां पर आप जमकर खरीददारी भी कर सकते हैं। उदयपुर में सूर्यास्त का नजारा देखने लायक होता है। दिल्ली से उदयपुर की दूरी 633 किमी है। यहां पर आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति 5 हजार रुपए देने होंगे।

दिल्ली से मैक्लोडगंज

हिमाचल के कांगड़ा जिले में मैक्लोडगंज या लिटिल ल्हासा स्थित है। मैक्लोडगंज प्रकृति से घिरा होने के साथ ही तिब्बती रंग रूप से लदा हुआ है। बता दें कि यह दिल्ली के सबसे अच्छे वीकेंड गेटवे में से एक है। आपकी यह ट्रिप भी बजट फ्रेंडली होने वाली हैं। यहां पर आप तिब्बती कार्य पुस्तकालय, तिब्बती आर्ट कल्चर संस्थान, स्थानीय कैफे और मैक्लोडगंज का मठ में तिब्बती संस्कृति की झलक देख सकते हैं। दिल्ली से मैक्लोडगंज की दूरी 488 किमी है।

दिल्ली से ऋषिकेश

ऋषिकेश एक आध्यात्मिक और बेहद खूबसूरत शहर है। यहां पर लोग एडवेंचर का लुत्फ उठाते हैं। ऐसे में आप भी ऋषिकेष में कैंपिंग और राफ्टिंग से लेकर बंजी तक का आनंद ले सकते हैं। एडवेंचर और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह बेस्ट है। दिल्ली से ऋषिकेश तक जाने की दूरी 242 किमी है।

संक्षिप्त

धनतेरस और दिवाली से पहले शेयर बाजार में गिरावट, सोने की कीमतों में मामूली कमी

दिवाली आने में कुछ ही दिन शेष बचे है। दिवाली से पहले ही दिल्ली में सोने की कीमत में मामूली गिरावट देखने को मिली है। दिल्ली में 26 अक्टूबर को 10 ग्राम सोने की कीमत में गिरावट आई है। सोने की कीमत अब 79,763 रुपये पर आ गई है। वहीं सोने की कीमत इससे पहले शुक्रवार को 10 ग्राम सोने का भाव 80,253 था। पिछले सप्ताह 20 अक्टूबर 2024 को 10 ग्राम सोने का भाव 79,593.0 था। इस त्योहारी सीजन के दौरान धनतेरस मंगलवार 29 अक्टूबर, 2024 को है। दिवाली 31 अक्टूबर, 2024 से शुरू हो रही है। आमतौर पर सोने की कीमतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसे देखते हुए कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसमें भू–राजनीतिक तनाव जैसे रूस–यूक्रेन युद्ध, इजरायल–गाजा संघर्ष, चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा 1–वर्षीय और 5–वर्षीय प्राइम लोन दरों में 25 आधार अंकों की कटौती का निर्णय आदि शामिल हैं। वहीं सोने की अधिक कीमत शेयर बाजार की गिरावट के बिल्कुल विपरीत हैं। शेयर बाजार में इस सप्ताह गिरावट देखने को मिली थी। शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024 को समाप्त सप्ताह के कारोबारी सत्र के बाद शेयर बाजार में भारी गिरावट आई और यह लाल निशान में बंद हुआ। बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 662.87 अंक या 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79,402.29 पर बंद हुआ। दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 218.60 अंक या 0.9 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,180.80 पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से इंडसइंड बैंक लिमिटेड, अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में क्रमश प्रतिशत सबसे अधिक 18.99 प्रतिशत, 4.90 प्रतिशत और 4.82 प्रतिशत की गिरावट आई। एफएमसीजी, पीएसयू बैंक, हेल्थकेयर और मिडस्मॉल हेल्थकेयर को छोड़कर एनएसई के अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में सबसे अधिक 2.60 प्रतिशत की गिरावट आई, इसके बाद तेल एवं गैस में 2.54 प्रतिशत तथा धातु में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई।

ट्राई का रेटिंग मंच डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता के आधार पर संपत्तियों का आकलन करेगा

नयी दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता के आधार पर संपत्तियों का आकलन करने और उन्हें दर्जा देने के लिए एक रेटिंग मंच बनाने का फैसला किया है। संपत्ति प्रबंधक ग्राहकों के लिए अच्छे डिजिटल संपर्क देने के बारे में सोचें, इसीलिए नियामक ने एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की है। डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता और दिए गए अंकों

के आधार पर, संपत्तियों को 'स्टार' रेटिंग दी जाएगी। यह रेटिंग एक स्टार से लेकर पांच स्टार तक होगी। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि डिजिटल संपर्क रेटिंग के लिए संपत्तियों को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। ये श्रेणियां – आवासीय, सरकारी संपत्तियां, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, अन्य निजी या सार्वजनिक क्षेत्र, स्टेडियम या खेल के मैदान या लोगों के जमा होने वाले सार्वजनिक स्थल और परिवहन गलियारे हैं। ट्राई ने शुक्रवार को एक नए रेटिंग ढांचे की रूपरेखा जारी करते हुए कहा कि 4जी (एलटीई) नेटवर्क के महत्वपूर्ण प्रसार, 5जी नेटवर्क की शुरुआत और अधिक स्पेक्ट्रम बैंड की उपलब्धता के बावजूद इमारतों के अंदर डिजिटल संपर्क का प्रसार और गुणवत्ता एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ट्राई ने कहा कि इस मुद्दे को मुख्य रूप से सेवा प्रदाताओं और संपत्ति प्रबंधकों के सहयोग से हल किया जाना चाहिए। दूरसंचार नियामक ने बयान में कहा कि डिजिटल संपर्क रेटिंग एजेंसी (डीसीआरए) के रूप में गतिविधि शुरू करने का इरादा रखने वाली किसी भी इकाई को पात्रता मानदंडों को पूरा करने पर रेटिंग मंच पर पंजीकरण के जरिये ट्राई सूचीबद्ध करेगा।

हरियाणा में धान का हर दाना एमएसपी पर खरीदना सुनिश्चित करें अधिकारी : सीएम सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चालू खरीद सत्र के दौरान किसानों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं आनी चाहिए। सैनी ने यहां खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने राज्य के विभिन्न हिस्सों के कुछ किसानों से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी भी ली। बैठक के दौरान किसानों ने मुख्यमंत्री को धान खरीद के दौरान की जा रही नमी कटौती के बारे में जानकारी दी। इस पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है और अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसानों को कटौती की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मंडियों में खरीद एजेंसियां घ्घ्17 प्रतिशत तक नमी सीमा वाले धान का एक–एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदें। सैनी ने कहा कि राज्य सरकार मंडियों में किसानों की उपज की खरीद के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, ताकि खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके।

12 साल बाद घर में टेस्ट सीरीज हारा भारत

25 साल में तीसरी बार अपनी सरजमीं पर लगातार दो मैच भी गंवाए

पुणे। न्यूजीलैंड ने पुणे टेस्ट जीतने के साथ ही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2–0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। बंगलूरू में खेला गया पहला मुकाबला कीवी टीम ने आठ विकेट से अपने नाम किया था। भारतीय टीम से वापसी की काफी उम्मीदें थीं, लेकिन रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ऐसा करने में नाकाम रही। टीम इंडिया अपने ही बुने जाल में फंस गई। पहले मैच में जहां टीम इंडिया कीवी तेज गेंदबाजों के आगे धराशाई हुई, तो दूसरे टेस्ट में स्पिनर्स ने भारतीय बल्लेबाजों की बोलती बंद कर दी। पुणे में जीत के लिए मिले 359 रन के लक्ष्य के जवाब में टीम इंडिया अपनी दूसरी पारी में 245 रन पर सिमट गई और साथ ही सीरीज भी गंवा दी।

12 साल बाद टेस्ट सीरीज हारा भारत

भारतीय टीम अपने घर में 12 साल बाद कोई टेस्ट सीरीज हारी है। इसी के साथ घरेलू जमीन पर लगातार 17 टेस्ट सीरीज जीतने के बाद जीत का यह सिलसिला टूट गया। पिछली बार टीम इंडिया को 2012–13 में इंग्लैंड ने चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 2–1 से हराया था। उसके बाद भारत ने लगातार 17 सीरीज जीतीं। हालांकि, न्यूजीलैंड ने अब टीम इंडिया को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। किसी ने नहीं सोचा था कि कीवी टीम भारतीय सरजमीं पर इतना प्रभावशाली प्रदर्शन करेगी। पहला टेस्ट जीतने के साथ ही न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारत में कोई टेस्ट मैच जीता था। अब उसने पहली बार भारत में कोई टेस्ट सीरीज अपने नाम की है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 1955 में खेला गया था और 69 साल के दोनों देशों के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार न्यूजीलैंड की टीम ने भारतीय सरजमीं पर टेस्ट सीरीज जीती है।

भारतीय टीम को लगातार दो टेस्ट में मिली हार

भारत ने अपने घर में लगातार दो टेस्ट गंवाए हैं। यह भी 2012 के बाद पहली बार है जब टीम इंडिया ने घरेलू सरजमीं पर लगातार दो टेस्ट गंवाए हैं। 2012 में इंग्लैंड ने भारत को चार मैचों की सीरीज में वानखेड़े में खेले गए दूसरे और ईडन गार्डेन्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में हराया था। साल 2000 से लेकर अब तक यानी 25 साल में यह तीसरी बार है जब टीम इंडिया अपने घर में लगातार दो टेस्ट हारी हो। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड से पहले दक्षिण अफ्रीका ने ऐसा किया था। उसने साल 2000 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत को 2–0 से शिकस्त दी थी। तब अफ्रीकी टीम ने वानखेड़े और चिन्नास्वामी स्टेडियम में टीम इंडिया को हराया था।

मैच में क्या हुआ?

मैच की बात करें तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 259 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 156 रन पर समाप्त हो गई थी। 103 रन के साथ न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 255 रन बनाए और कुल मिलाकर 358 रन की बढ़त हासिल की थी। 359 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया के लिए यशस्वी जायसवाल ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए और रवींद्र जडेजा ने 42 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा कोई बल्लेबाज 25+ का आंकड़ा नहीं छू सका। रोहित शर्मा आठ रन, शुभमन गिल 23 रन, विराट कोहली 17 रन, ऋषभ पंत खाता खोले बिना, वॉशिंगटन सुंदर 21 रन और सरफराज खान नौ रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए मिचेल सैंटनर ने पहली पारी में सात विकेट और दूसरी पारी में छह विकेट लिए।

पिछले 25 साल में कब-कब लगातार दो टेस्ट हारा भारत

खिलाफ	साल	सीरीज का कौन सा मैच	जगह
न्यूजीलैंड	अक्तूबर, 2024	दूसरा	पुणे
न्यूजीलैंड	अक्तूबर, 2024	पहला	बंगलूरू
इंग्लैंड	दिसंबर, 2012	तीसरा	कोलकाता
इंग्लैंड	नवंबर, 2012	दूसरा	मुंबई
द. अफ्रीका	मार्च, 2000	दूसरा	बंगलूरू
द. अफ्रीका	फरवरी, 2000	पहला	मुंबई

साजिद–नोमान ने इंग्लैंड टीम को दिन में दिखाए तारे, पाकिस्तान ने सीरीज की अपने नाम

पाकिस्तान टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज 2–1 से अपने नाम कर ली है। पाकिस्तान ने शनिवार को तीसरे और निर्णायक टेस्ट में इंग्लैंड को 9 विकेट से धूल चटाई। स्पिनर साजिद खान और नोमान अली ने इंग्लैंड का चारों खाने चित कर दिया।

शान मसूद की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज 2–1 से अपने नाम कर ली है। पाकिस्तान ने शनिवार को तीसरे और निर्णायक टेस्ट में इंग्लैंड को 9 विकेट से धूल चटाई। स्पिनर साजिद खान और नोमान अली ने इंग्लैंड का चारों खाने चित कर दिया। पाकिस्तान को रावलपिंडी में आयोजित आखिरी टेस्ट में तीसरे दिन महद 36 रनों का लक्ष्य मिला, जो उसने 3.1 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पाकिस्तान को पहले मैच में पारी और 47 रन से हार मिली थी। इसके बाद पाकिस्तान ने लगातार दो टेस्ट जीतकर सीरीज पर अपना कब्जा जमाया। वहीं पाकिस्तान ने दूसरी बार पहला टेस्ट हारने के बाद तीन मैचों की सीरीज जीतने का कमाल किया है। पाकिस्तान ने पहली बार ये कमाल 29 साल पहले यानी 1995 में जिम्बाब्वे के खिलाफ किया था। पाकिस्तान ने नवंबर 2015 के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहली टेस्ट सीरीज अपने नाम की है। पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर 18 साल और 18 दिन बाद इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज जीती। वहीं, पाकिस्तान ने 2021 के बाद पहली घरेलू टेस्ट सीरीज जीती है। पाकिस्तान ने इस दौरान चार सीरीज गंवाई। मसूद की अगुवाई में पाकिस्तान ने पहली बार सीरीज पर कब्जा जमाया है। रावलपिंडी टेस्ट के तीसरे बेन स्टोक्स के नेतृत्व वाली इंग्लैंड टीम 37.2 ओवरों में दूसरी पारी में 112 रनों पर सिमट गई। साजिद खान और नोमान अली ने कातिलाना गेंदबाजी की। साजिद ने 18 ओवर में 69 रन देकर 4 विकेट चटकाए जबकि नोमान ने 18.2 ओवर में 42 रन खर्च करते हुए 6 शिकार किए। इंग्लैंड ने तीसरे दिन 24/3 के स्कोर से अपनी आगे बढ़ाई लेकिन 88 रन जोड़कर 7 विकेट खो दिए। इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा रन जो रूट ने बटोरे। हैनरी ब्रूक ने 26 और बेन डकेट ने 12 रन का योगदान दिया।

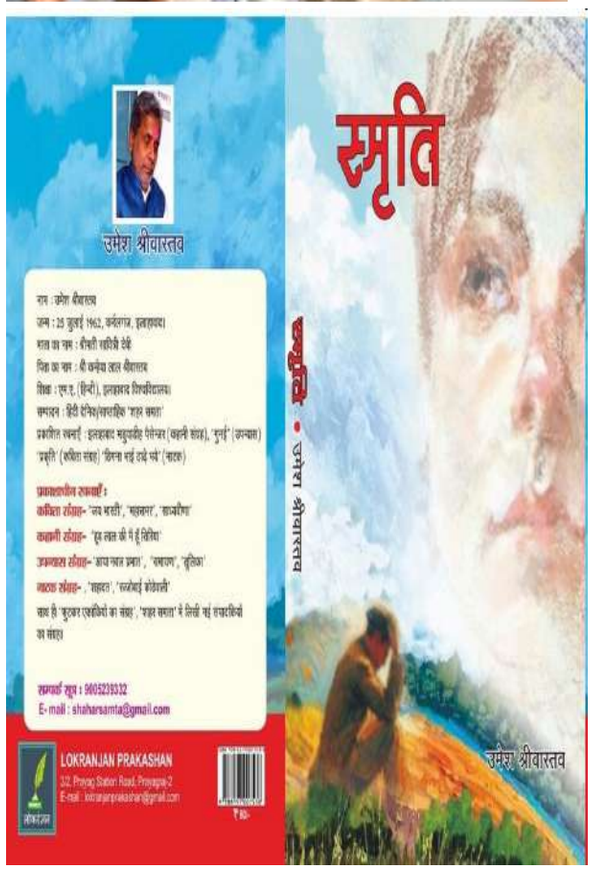

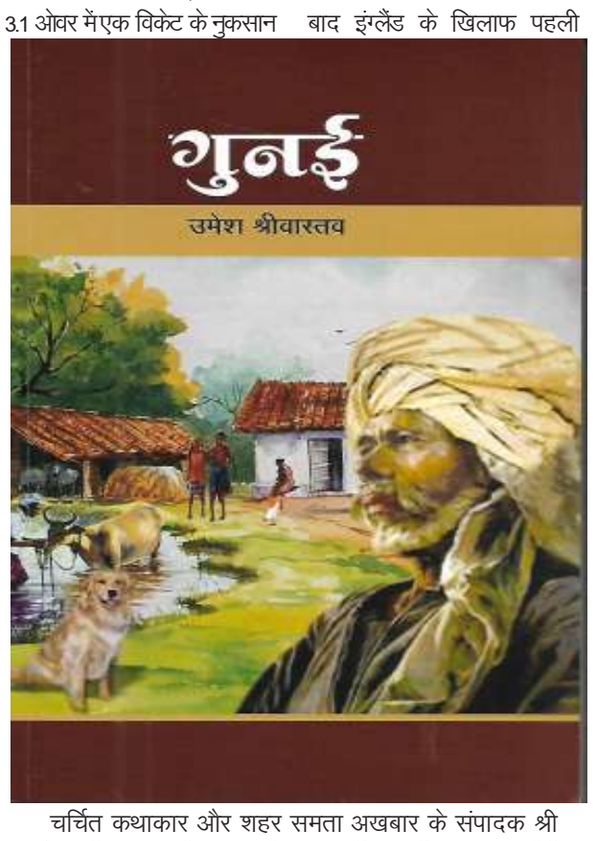

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

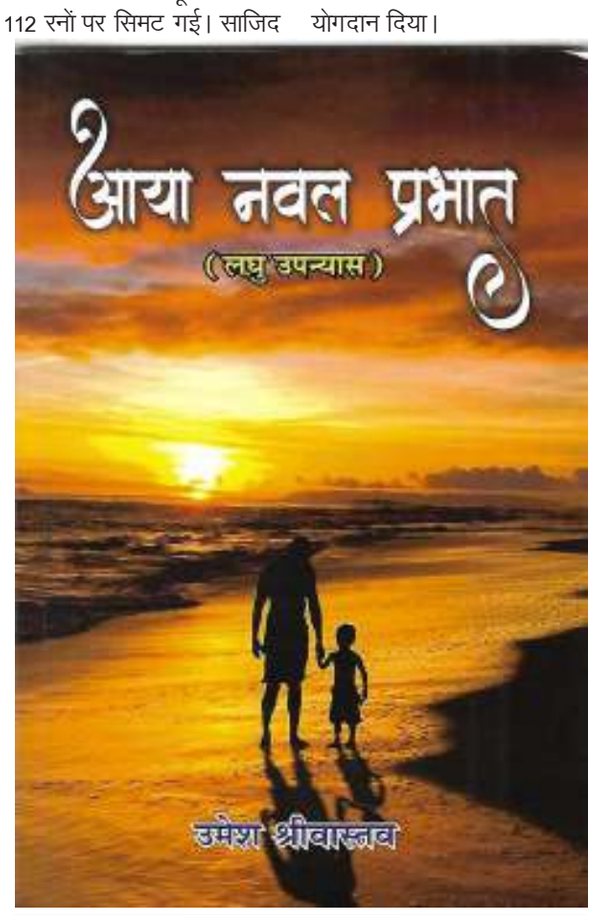

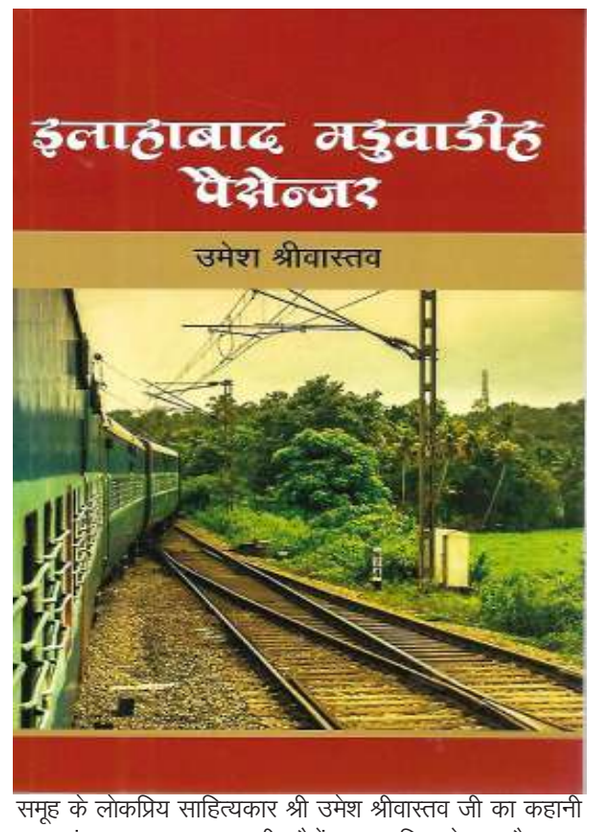

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

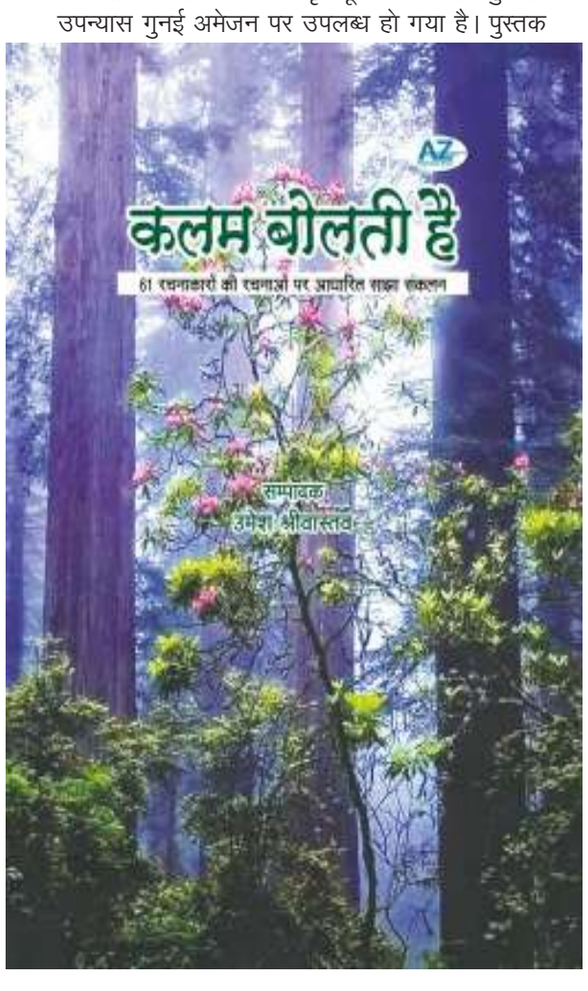

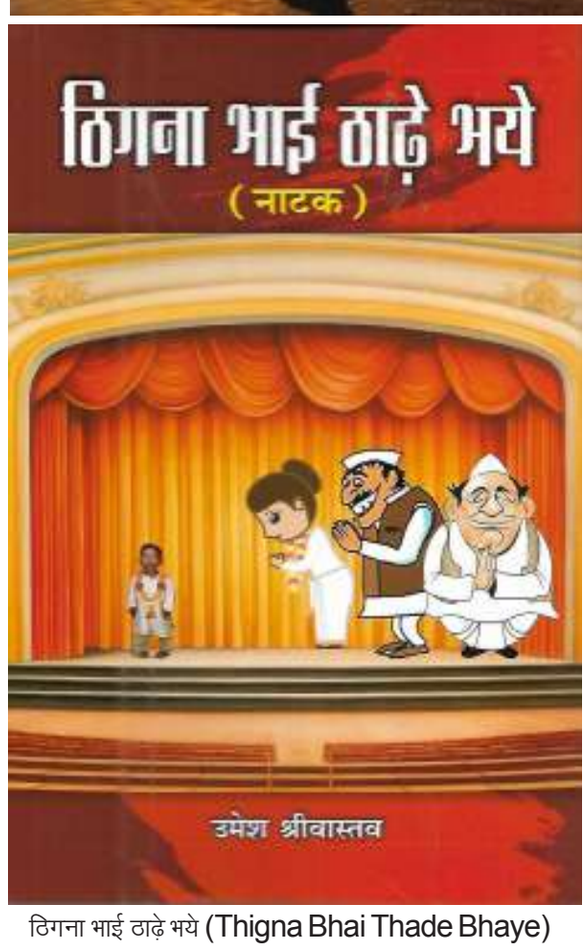

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

100 जेट हवा में उड़े, धरती पर गिराए अनगिनत बम, सैन्य अड्डों को किया तबाह...

25 दिनों बाद इजराइली सेना ने लिया बदला, ईरान के मिसाइल फैक्ट्रियों पर रॉकेट दागे

इजराइल और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष और बढ़ गया है। ईरान द्वारा 1 अक्टूबर को इजराइल पर मिसाइलों की बौछार करने के तीन सप्ताह से अधिक समय बाद, इजराइल ने इस्लामिक राष्ट्र पर कई हवाई हमले करके जवाबी कार्रवाई की है, जिसमें उसके ष्सैन्यष् स्थलों को निशाना बनाया गया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को सुबह 2रू00 बजे के आसपास ईरान की राजधानी तेहरान में विस्फोट हुए, जिसके कुछ घंटों बाद हमलों की दूसरी लहर आई। पहले हमलों के छह घंटे से अधिक समय बाद, इजराइल ने कहा कि ईरान में उसके हमले समाप्त हो गए हैं। उल्लेखनीय रूप से, 1 अक्टूबर के हमले के बाद, ईरान ने कहा था कि इजराइल के खिलाफ उसका हमला समाप्त हो गया है, जब तक कि उसने आगे कोई उकसावे की कोशिश नहीं की। इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई की कसम खाई थी, जो आज (26 अक्टूबर) कुछ सप्ताह बाद हुई, जिससे यह आशंका पैदा हो गई कि पश्चिम एशिया संघर्ष और भी बदतर हो सकता है।

इजरायल ने ईरान के हमलों का दिया जवाब

शनिवार को ईरान पर इजरायल के ष्सटीक हमलोंष् की तीन लहरों में 100 से अधिक विमान शामिल थे, जिनमें अत्याधुनिक थ–35 भी शामिल था, जिसने व्यापक संघर्ष वृद्धि को रोकने के लिए परमाणु और तेल सुविधाओं से बचते हुए सैन्य लक्ष्यों पर विशेष रूप से हमला करने के लिए 2,000 किलोमीटर की यात्रा की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इजरायली सेना ने व्यापक संघर्ष वृद्धि को रोकने के लिए परमाणु और तेल सुविधाओं से बचते हुए सैन्य लक्ष्यों पर सख्ती से ध्यान केंद्रित किया। हालाँकि, हाई अलर्ट बना हुआ है क्योंकि इजरायल को संभावित जवाबी कार्रवाई की आशंका है और वह भी सिर्फ़ ईरान से नहीं।

इजरायली हमलों ने इलाम, खुज़ेस्तान और तेहरान प्रांतों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

जेरूसलम पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस बड़े पैमाने पर हमले में 100 से अधिक विमान शामिल थे, जिनमें थ–35 श्अदिरश स्टील्थ फाइटर शामिल थे, जिन्होंने लगभग 2,000 किलोमीटर की दूरी तय की। इस बीच, ईरान ने कहा कि इजरायली हमलों ने इलाम, खुज़ेस्तान और तेहरान प्रांतों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे श्सीमित क्षतिश हुई। इस तरह के बड़े पैमाने पर ऑपरेशन की शुरुआत संभवतः रडार और वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाकर किए गए शुरुआती हमलों से हुई, जिससे सैन्य प्रतिष्ठानों पर आगे के हमलों का रास्ता साफ हुआ। इससे पहले, सीरिया में एक समन्वित हमले ने इसी तरह के खतरों को समाप्त कर दिया था, जिससे ईरान को इजरायल के इरादों के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई थी।

व्यापक ईंधन भरने की क्षमता

इस तरह के लंबी दूरी के हमलों के लिए व्यापक ईंधन भरने की क्षमता की आवश्यकता होती है और 669 बचाव इकाई को हाई अलर्ट पर रखा जाता है। फ्थ्अब ईरान, इराक, यमन, सीरिया और लेबनान से संभावित प्रतिक्रियाओं पर सतर्कता से नज़र रख रहा है, और संभावित जवाबी कार्रवाइयों की एक श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहा है।

बेस लोकेशन से ऑपरेशन

रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हर्ज़ी हलेवी तेल अवीव में किर्या बेस पर तैनात हैं। एक वरिष्ठ इज़राइली अधिकारी ने खुलासा किया कि सुरक्षा कैबिनेट ने कल रात एक फ़ोन कॉन्फ्रेंस के दौरान हमले को अधिकृत किया। आईडीएफ प्रवक्ता आर.–एडम. डैनियल हैगरी ने कहा, आईडीएफ आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह के ऑपरेशन के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है, ईरान और उसके प्रॉक्सी पर बारीकी से नज़र रख रहा है। उन्होंने पुष्टि की कि इस समय होम फ्रंट कमांड के दिशा–निर्देशों में कोई बदलाव नहीं है। हम होम फ्रंट कमांड के निर्देशों के साथ निरंतर सतर्कता और अनुपालन का आग्रह करते हैं, अगर कोई बदलाव होता है तो तुरंत अपडेट प्रदान किए जाएंगे।

अमेरिका से अवैध भारतीय प्रवासियों को भेजा गया वापस, यूएस गृह सुरक्षा विभाग ने ऐसे कराई वापसी

संयुक्त राज्य अमेरिका ने उन भारतीय नागरिकों के एक समूह को निर्वासित किया है जिनके पास देश में रहने के लिए उचित कागजात और दस्तावेज नहीं थे। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उसने 22 अक्टूबर को भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजने के लिए एक चार्टर्ड फ्लाइट का इस्तेमाल किया है। सूत्रों के अनुसार, प्रवास और गतिशीलता पर भारत–अमेरिका सहयोग के हिस्से के रूप में, दोनों पक्ष अवैध प्रवास को रोकने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। सूत्रों ने कहा, भारत से अमेरिका में कानूनी प्रवास के लिए और अधिक रास्ते बनाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। चार्टर्ड फ्लाइट से भारतीय नागरिकों का हालिया निर्वासन इस सहयोग का परिणाम है। इस तरह के निर्वासन कई वर्षों से हो रहे हैं। डीएचएस के एक बयान के अनुसार, 22 अक्टूबर को, यू.एस. होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने यू.एस. इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट (आईसीई) के माध्यम से भारतीय नागरिकों को भारत गणराज्य में लाने के लिए एक बड़ी–सी चार्टर रिमूवल फ्लाइट का संचालन किया, जिन्होंने संयुक्त राज्य में रहने के लिए कानूनी आधार स्थापित नहीं किया था। इस सप्ताह की उड़ान अनियमित प्रवास को कम करने और रोकने के साथ–साथ मानव तस्करी का मुकाबला करने के लिए संयुक्त रूप से काम करने के लिए भारत सरकार और अन्य अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ निरंतर सहयोग करने के लिए विभाग की निरंतर प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। होमलैंड सुरक्षा के उप सचिव के कर्तव्यों का पालन करने वाले वरिष्ठ अधिकारी क्रिस्टी ए कैनेगैलो ने कहा, संयुक्त राज्य में रहने के लिए कानूनी आधार के बिना भारतीय नागरिकों को तेजी से हटाया जा सकता है, और इच्छुक प्रवासियों को तस्करों के जाल में नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, होमलैंड सुरक्षा विभाग हमारे देश के कानूनों को लागू करना जारी रखेगा। डीएचएस के अनुसार, जून 2024 से, जब सीमा सुरक्षा राष्ट्रपति उद्घोषणा और साथ में अंतरिम अंतिम नियम लागू हुए, दक्षिण–पश्चिमी सीमा पर प्रवेश के बंदरगाहों के बीच मुठभेड़ों में 55 प्रतिशत की कमी आई है। होमलैंड सुरक्षा विभाग के बयान में कहा गया है कि जून 2024 से, डीएचएस ने 160,000 से अधिक व्यक्तियों को हटाया या वापस भेजा, इसमें भारत समेत 145 से अधिक देशों में 495 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यावर्तन उड़ानें संचालित कीं।

दो वर्षों से रूसी राष्ट्रपति पुतिन के संपर्क में हैं एलन मस्क, रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में शुमार एलन मस्क बीते दो वर्षों से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के संपर्क में हैं। दोनों भू–राजनीतिक मुद्दों समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हैं। अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया है। रिपोर्ट में अमेरिका, यूरोप और रूस के वर्तमान और पूर्व अधिकारियों का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कथित तौर पर एलन मस्क से ताइवान पर अपनी स्टारलिंक उपग्रह इंटरनेट सेवा को सक्रिय न करने की अपील की थी। कथित तौर पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के कहने पर ही पुतिन ने एलन मस्क से यह अपील की थी। मस्क को डोनाल्ड ट्रंप का करीबी माना जाता है और मौजूदा राष्ट्रपति चुनाव में मस्क, खुलकर ट्रंप के लिए प्रचार कर रहे हैं। साथ ही एलन मस्क और व्लादिमीर पुतिन की बातचीत होना, इसलिए भी चौंकाता है क्योंकि मस्क की कंपनी स्पेसएक्स और स्टारलिंक अमेरिका के सुरक्षा हितों के केंद्र में हैं। स्पेसएक्स, अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन लाने और ले जाने का काम करती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

. 919450482227

'भारत–जर्मनी मिलकर दुनिया को सुरक्षित करना चाहते हैं', नौसेना अभ्यास पर बोले जर्मनी के अधिकारी

जर्मन नौसेना के अधिकारी ने शनिवार को भारत–जर्मनी के संबंधों को लेकर अपने विचार साझा किए। यूरोपीय राष्ट्र की नौसेना के रियर एडमिरल हेल्गो रिश ने कहा कि भारत और जर्मनी लोकतांत्रिक देश होने के साथ ही अच्छे साझेदार हैं। दोनों देश मिलकर दुनिया को सुरक्षित करना चाहते हैं। हेल्गो रिश की जर्मनी फ्रिगेट की टास्क फोर्स ग्रुप के कमांडर हैं। जर्मनी फ्रिगेट की सात मई को दक्षिणी गोवा के मोरमुगाओ बंदरगाह पर हिंद–प्रशांत क्षेत्र में तैनाती की गई।

दोनों देश वैश्विक रूप से प्रतिबद्ध

कमांडर रिश ने कहा कि दोनों देश लोकतांत्रिक हैं। साथ ही हम कई सारे मूल्यों और रुचियों को साझा करते हैं। हम दोनों देश क्षेत्रीय रूप से जुड़े

हैं, लेकिन वैश्विक रूप से भी प्रतिबद्ध हैं। भारत और जर्मनी के बीच करीबी सहयोग की प्रेरणा है। संयुक्त नौसेना अभ्यास को लेकर उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों और उनकी नौसेना के बीच दोस्ती और साझेदारी मजूबत करने का प्रयास है। आने वाले समय में हम और भी अभ्यास करेंगे, मगर अभी इस बारे में कुछ भी कहना ठीक नहीं है। मुझे लगता है कि हमारे देशों की सरकार ने इस बारे में चर्चा जरूर की होगी। रिश ने कहा कि हिंद प्रशांत तैनाती के तौर पर जर्मन की नौसेना ने अमेरिका और एशिया में कई देशों के साथ साझा अभ्यास किए हैं। जर्मनी नौसेना भारत में इसलिए है क्योंकि यह विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों में से एक है। हमारे क्षेत्रीय संबंध काफी अच्छे हैं। हम दोनों का ही उद्देश्य दुनिया को सुरक्षित जगह बनाना है।

हम समान मूल्य साझा करते हैं

रियर एडमिरल हेल्गो रिश ने कहा कि भारत और जर्मनी दोनों राष्ट्र अच्छे साझेदार इसलिए भी हैं, क्योंकि हमारे मूल्य समान हैं। हमने अच्छे अभ्यास किए हैं। पहले हमने पूर्वी नौसैन्य क्षेत्र में अभ्यास किया और पिछले कुछ दिन से हम पश्चिमी तट पर अभ्यास कर रहे हैं। यह अभ्यास पूरी तरह से पेशेवर अंदाज में हुआ है। मैं भारतीय नाविकों के जुनून और पेशेवर ज्ञान से बहुत प्रभावित हूं।

भारत दौरे पर आए हैं जर्मन चांसलर शोल्ज

जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज गुरुवार को भारत के दौरे पर आए हैं। उन्होंने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।

जो बाइडन ने संघीय फंडिंग से चलने वाले स्कूलों में बच्चों की मौत पर मांगी माफी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने संघीय फंडिंग से चलने वाले विद्यालयों में स्वदेशी समुदाय के बच्चों के उत्पीड़न के लिए स्थानीय अमेरिकियों से माफी मांगी है। दरअसल, यहां बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें आत्महत्या के लिए भी मजबूर किया गया। एरिजोना में राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि माफी मांगने में 150 साल लग गए। 1819 से लेकर 1969 तक करीब 37 राज्यों (तब केंद्र शासित प्रदेश) के 400 बोर्डिंग स्कूलों में 18,000 बच्चों को उनके परिवार से छीन लिया गया। साल 2021 में गृह मंत्रालय के सचिव देब हालैंड ने स्वदेशी अमेरिकियों पर स्कूलों के प्रभावों की समीक्षा करने के लिए फेडरल इंडियन बोर्डिंग स्कूल की स्थापना की। उनके द्वारा जारी रिपोर्ट में बताया गया कि संघीय फंडिंग से चलने वाले विद्यालयों में पढ़ने वाले 973 स्वदेशी अमेरिकी बच्चों की मौत हो गई। राष्ट्रपति बाईडन ने माफी मांगते हुए कहा, मेरा मानना है कि यह जरूरी है कि हमें मालूम होना चाहिए कि कई पीढ़ियों के बच्चों को ऐसी जगहों पर ले जाया गया, जिसके बारे में वे नहीं जानते थे। उन्हें ऐसे लोगों से मिलाया गया, जिन्हें वे नहीं जानते थे और उनसे ऐसी भाषाओं में बात की गई, जिन्हें उन्होंने कभी नहीं सुना था। स्वदेशी समुदाय ने अपने बच्चों का खेलना बंद करा दिया था। बच्चों को शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। कुछ बच्चों को उनके जन्म देने वाले माता–पिता की अनुमति के बिना ही गोद लेने के लिए रखा गया। कुछ को ऐसे ही मरने के लिए छोड़ दिया गया। राष्ट्रपति बाइडन ने बताया कि जो बच्चे वापस लौटे, उनके शरीर पर चोट के निशान पाए गए। उन्होंने फीनिक्स के बाहर गिला क्रॉसिंग कम्यूनिटी स्कूल में यह टिप्पणी की। अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में आदिवासी भूमि पर यह जो बाइडन की पहली यात्रा थी। इससे पहले 2014 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने आदिवासी क्षेत्र रॉक सिओक्स इंडियन रिजर्वेशन का दौरा किया था। बाइडन ने स्वीकार किया कि उस समय जो कुछ भी हुआ और हमने जो भी कुछ खोया उसकी भरपाई कोई माफी नहीं कर सकती है। उन्होंने आगे कहा कि हम अब अंधेरे से निकलकर प्रकाश की तरफ बढ़ रहे हैं।

बर्गर से मौत विवाद : मैकडॉनल्ड के शेयरों पर असर, संक्रमण के कारण यूएस के कई फूड चेन में प्याज का इस्तेमाल बंद

कोलोराडो। अमेरिकी फास्ट फूड चेन्स ने बृहस्पतिवार से अपने मेन्यू आइटम से ताजा प्याज को हटा दिया है। इस सब्जी को मैकडॉनल्ड के रेस्तरां में ई.कोली प्रकोप का संभावित जरिया माना गया। इससे 75 लोग बीमार हुए और एक की मौत हो गई। मैकडॉनल्ड ही नहीं बल्कि रेस्तरां ब्रांड्स इंटरनेशनल, मैकडॉनल्ड्स के प्रतिद्वंद्वी बर्गर किंग की मूल कंपनी और यम ब्रांड्स ने भी मेन्यू से प्याज को हटाने का एलान किया है। बर्गर किंग के प्रवक्ता के मुताबिक, लगभग पांच फीसदी बर्गर किंग जगहों के मेन्यू से प्याज को हटा दिया है। मैकडॉनल्ड ने कहा कि हटाए गए कटे हुए प्याज का आपूर्तिकर्ता टेलर फॉर्म्स था। बर्गर किंग के लगभग 5 फीसदी स्टोर में भी प्याज इसी फार्म्स से आता है। इसके बाद अमेरिका की सबसे बड़ी खाद्य आपूर्तिकर्ताओं कंपनियों में से एक यूएस फूड्स ने कोलोराडो में उत्पादित पीले प्याज की कई खेप बुधवार को वापस ले ली है। वहीं, केएफसी, पिज्जा हट और टैको बेल चेन चलाने वाली यम ने कहा कि सावधानी बरतते उसने अपने मेन्यू से प्याज हटा दिया है। ई. कोली के प्रकोप की सूचना सबसे पहले सितंबर के आखिर में अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र को दी गई थी। केंद्र ने बुधवार को कहा कि उसका एक राज्य भागीदार भी ई. कोली के लिए बीफ के नमूनों की जांच कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी गायिका बियश्वन्से ने कमला हैरिस के लिए प्रचार किया

मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री एवं गायिका बियॉन्से ने राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी कमला हैरिस के लिए शुक्रवार रात को प्रचार करते हुए यहां एक रैली में कहा कि ''मैं यहां किसी सेलिब्रिटी के तौर पर, किसी नेता के तौर पर नहीं आयी हूं, बल्कि मैं यहां एक मां के रूप में आयी हूं।'' उन्होंने कहा, ''ऐसी मां, जो अपने बच्चों की दुनिया की बहुत परवाह करती है और हमारे सभी बच्चे ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां हमें अपने शरीर

पर नियंत्रण की आजादी है, ऐसी दुनिया, जहां हम विभाजित नहीं हैं।'' बियॉन्से ने कहा, ''कल्पना कीजिए कि हमारी बेटियां यह देखते हुए बड़े हो रही हैं कि बिना किसी बंधनों के क्या कुछ संभव है। हमें वोट करना चाहिए और हमें आपकी आवश्यकता है।'' बियॉन्से ने मंच पर हैरिस का परिचय देते हुए कहा, ''देवियो और सज्जनो, कृपया अमेरिका की अगली राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का टेक्सास में जोरदार स्वागत करें।'' अमेरिकी अभिनेत्री ने इस बार प्रचार करते हुए प्रस्तुति नहीं दी, जबकि 2016 में उन्होंने क्लीवलैंड में हिलेरी क्लिंटन के लिए राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए प्रचार करते हुए प्रस्तुति दी थी। ह्यूस्टन बियॉन्से का गृह नगर है और उनके 2016 के गीत ''फ्रीडम'' का हैरिस के प्रचार दल ने इस्तेमाल किया है। बियान्से ने हैरिस को इस गीत का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी थी।

पाकिस्तान में पुलिस वैन पर हमले के बाद मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों ने शनिवार को एक पुलिस मोबाइल वैन पर हमला कर दिया और इस दौरान जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों ने बन्नू जिले में छावनी पुलिस थाने के तहत आने वाले क्षेत्र में गश्त पर गयी वैन पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसके बाद हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। हमले में कोई पुलिस अधिकारी हताहत नहीं हुआ। प्राधिकारियों ने मृतक आतंकवादियों की शिनाख्त कर ली है। एक अन्य घटना में प्रांत के बजौर जिले के नवागई इलाके में पुलिस और अर्द्धसैन्य फ्रंटियर कोर की एक संयुक्त चौकी पर हमला किया गया। बहरहाल, हमले को विफल कर दिया गया और इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। एक और घटना में जमीयत–ए–उलेमा–इस्लाम (जेयूआई–एफ) से संबद्ध हाजी शरीफुल्ला की बन्नू जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के बाद लौटे नासा के अंतरिक्ष यात्री अस्पताल में भर्ती

अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ महीने तक रहने के बाद लौटे नासा के एक अंतरिक्ष यात्री को अज्ञात चिकित्सा समस्या के कारण अस्पताल ले जाया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इन अंतरिक्ष यात्रियों का अंतरिक्ष प्रवास बोइंग के कैप्सूल की खराबी और तूफान मिल्टन के कारण बढ़ गया था। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सप्ताह के मध्य में रवाना होने के बाद 'स्पेस एक्स' के कैप्सूल में लौटे ये अंतरिक्ष यात्री पैराशूट की मदद से फ्लोरिडा के तट के पास मैक्सिको की खाड़ी में उतरे। अंतरिक्ष यान के उतरने के तुरंत बाद, नासा ने कहा कि उसके एक अंतरिक्ष यात्री को "चिकित्सा संबंधी समस्या" हो गई है और एहतियात के तौर पर चालक दल को फ्लोरिडा के पेंसाकोला के एक अस्पताल में ले जाया गया है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अंतरिक्ष यात्री की हालत स्थिर है और उसे "एहतियाती उपाय" के तौर पर अस्पताल में रखा गया है। अन्य अंतरिक्ष यात्री ह्यूस्टन लौट गये हैं।

ईरान और इजराइल का हिसाब बराबर, अब सैन्य हमले बंद होने चाहिए : अमेरिका

अमेरिका ने कहा है कि ईरान पर इजराइल के हमलों से हिसाब बराबर हो चुका है और अब दोनों शत्रु देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य हमले बंद होने चाहिए। अमेरिका ने ईरान को अब इजराइल पर जवाबी हमले करने पर ''अंजाम'' भुगतने की चेतावनी दी। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके प्रशासन को लगता है कि इजराइली (सैन्य) अभियान के उपरांत अब दोनों देशों के बीच सीधे सैन्य हमले ''बंद होने'' चाहिए और उसने कहा कि अन्य सहयोगी देश भी इससे सहमत हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने शुक्रवार को पूरे दिन अभियान के बारे में जानकारी दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।